



की अध्यक्षता करते हुए डीएसडब्ल्यू प्रो. सुदेश कुमार साहू ने कहा कि वृक्षारोपण आज का आवश्यकता है। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में लगाए गए पौधे भविष्य में एक सघन हरित आवरण का रूप लेंगे। वृक्षारोपण अभियान में सीसीडीसी डॉ. पीके झा, प्रॉक्टर डॉ. मुकुंद चंद्र झा, पीआरओ सह डिप्टी डायरेक्टर सीबीएस डॉ. स्मृति सिंह, मानव विज्ञान विभाग के निदेशक डॉ. दिनेश उरांव, बॉटनी विभागध्यक्ष डॉ. लार्डल्ल रानिनी, एएसएसएस समन्वयक डॉ. किशोर सुरि-नंदन डॉ. हीरानंदन डॉ. दीपाली, डॉ. हैप्पी सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राओं ने पौधारोपण कर अपनी सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. किशोर सुरि-नंदन ने किया। अंत में प्रॉक्टर डॉ. मुकुंद चंद्र झा ने सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

विश्रामपुर क्षेत्र के बूथ संख्या-139 पर पुनरीक्षण कार्य पूर्ण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिले में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत के नेतृत्व में विशेष गहन पुनरीक्षण (स्कफ़)-2026 का कार्य निर्धारित समयसीमा के अनुरूप तेजी से संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत सभी बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर एन्यूसेशन (गणना) फॉर्म का वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत गढ़वा जिले के मझिआंव प्रखंड स्थित मतदान केंद्र संख्या-139 ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य शत-प्रतिशत पूरा कर लिया है।

मतदान केंद्र संख्या-139 की बीएलओ सुश्री सुमित्रा कुमारी ने अपनी कार्यकुशलता, समर्पण और बेहतर नेतृत्व क्षमता का परिचय देते हुए बूथ के सभी 542 मतदाताओं का एन्यूसेशन फॉर्म भरवाने के

बीएलओ सुमित्रा देवी बनीं अन्य बीएलओ के लिए प्रेरणा



साथ-साथ उसका डिजिटाइजेशन भी सफलतापूर्वक पूर्ण कराया। पुनरीक्षण के दौरान 2 मतदाता अनुपस्थित, 24 स्थानांतरित, 10 मृत एवं 2 डुप्लीकेट मतदाता चिन्हित किए गए। इस उपलब्धि के पीछे विश्रामपुर विधानसभा के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-अपर समाहर्ता कुंदन कुमार की सतत मॉनिटरिंग, प्रभावी कार्ययोजना एवं टीम आधारित कार्यशैली की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके नियमित मार्गदर्शन एवं निरंतर समीक्षा के कारण संबंधित अधिकारियों एवं बीएलओ ने निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। इस संबंध में कुंदन कुमार ने बताया कि विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य पूरी गति से संचालित है। उन्होंने विशेष व्यक्ति किया कि सभी बीएलओ एवं पूरी टीम के समन्वित प्रयास से यदि कार्य इसी गति से आगे बढ़ता रहा, तो विश्रामपुर विधानसभा राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य पूर्ण करने वाला पहला विधानसभा क्षेत्र बनने की दिशा में अग्रसर है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने बीएलओ सुमित्रा देवी को बधाई देते हुए कहा कि "सफलता केवल लक्ष्य प्राप्त करने में नहीं, बल्कि पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने में है। सुमित्रा कुमारी ने यह सिद्ध किया है कि प्रतिबद्धता और सुनियोजित कार्यप्रणाली से कठिन से कठिन लक्ष्य भी समय पर प्राप्त किए जा सकते हैं। उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि "यह उपलब्धि केवल एक बीएलओ की सफलता नहीं, बल्कि पूरी टीम के समन्वित प्रयास का परिणाम है। मैं जिले के सभी बीएलओ से अपेक्षा करता हूँ कि वे भी इसी समर्पण, सकारात्मक सोच और कार्यसंस्कृति के साथ अपने-अपने बूथों पर शत-प्रतिशत फॉर्म वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन सुनिश्चित करें। उल्लेख कार्य करने वाले प्रत्येक कर्मी का प्रशंसा द्वारा प्रोत्साहन एवं सम्मान किया जाएगा।

नकली विदेशी शराब बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़



नवबिहार टाइम्स संवाददाता
चैलेंज ब्रांड 4,000 लीटर पानी से भरे ड्रम, 55 रोल नकली लेबल, 25 हजार नकली ढक्कन, 20 रोल नकली होलोग्राम, 60 बोरा के एक घर में संचालित अवैध विदेशी शराब निर्माण कार्टन, एक पैकिंग एवं भराई मशीन तथा करीब 20 लीटर स्पिरिट शामिल

रामनिवास यादव के निर्देश पर उत्पाद अधीक्षक शिव कुमार साह के नेतृत्व में उत्पाद विभाग एवं गावां थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने की छापेमारी के दौरान मौके से भारी मात्रा में तैयार अवैध विदेशी शराब, नकली लेबल, ढक्कन, होलोग्राम, खाली बोतलें तथा शराब बनाने में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए गए। जल्द सामग्री में करीब 350 पेटी तैयार अवैध विदेशी शराब रॉयल स्टैग, आइकोनिक एवं रॉयल हैं उत्पाद विभाग ने इस मामले में झारखंड उत्पाद अधिनियम की धारा 47, 52 एवं 55 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है छापेमारी दल में उत्पाद अधीक्षक शिव कुमार साह, पुलिस अवर निरीक्षक जनमेश पान, उत्पाद अवर निरीक्षक रवि रंजन, पुलिस सहायक अवर निरीक्षक लक्ष्मण महतो सहित सशस्त्र बल एवं गृह रक्षक के जवान शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

वार्ड-29 में पांच बूथों पर चला सघन मतदाता सत्यापन अभियान



गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत गिरिडीह शहरी क्षेत्र के वार्ड संख्या-29 में रविवार को मतदाता सत्यापन एवं प्रपत्र संग्रहण का कार्य संचालित किया गया। वार्ड के पांच बूथों पर बीएलओ टीम ने घर-घर पहुंचकर मतदाताओं के दस्तावेजों का सत्यापन किया और निर्धारित प्रपत्रों का संग्रह किया। वार्ड पार्षद दीपक यादव ने अभियान का निरीक्षण करते हुए मतदाताओं से समय पर सत्यापन प्रक्रिया पूरी करने की अपील की। उन्होंने कहा कि शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। समाजसेवी दिनेश प्रसाद यादव ने भी अभियान में सक्रिय सहयोग करते हुए लोगों को एसआईआर अभियान के प्रति जागरूक किया और पात्र मतदाताओं को आवश्यक दस्तावेजों के साथ सत्यापन करने के लिए प्रेरित किया। अभियान के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं ने अपने दस्तावेज जमा कर सत्यापन प्रक्रिया पूरी की। बूथों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं, जिससे पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। इस अवसर पर आंगनबाड़ी सेविका अनीता देवी, बीएलओ पुष्पा देवी, रंजना कुमारी एवं माधुरी देवी, वॉलंटियर नंदीम परवेज, गिरिडीह विधानसभा एसआईआर प्रभारी डॉ. संजय, नगर अध्यक्ष सिंकू सिंहा, विनय कुमार सिंह, संतोष, विशाल यादव, सुरेश मंडल, देवराज सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

एसपी डॉ. बिमल कुमार के निर्देश पर जिलेभर में सघन वाहन जांच अभियान

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और अपराध पर प्रभावी निरंत्रण के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार के निर्देश पर शनिवार शाम जिले के सभी थाना क्षेत्रों में एक साथ सघन वाहन जांच एवं गश्ती अभियान चलाया गया। अभियान के तहत टाउन, गांडेय, बगोदर, निमियाघाट, गावां, डुमरी, बेंगाबाद, देवरी, पचंबा, धनवार, नौडीहा और हीरोसंड थाना क्षेत्रों में प्रमुख चौक-चौराहों पर दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की जांच की गई। इस दौरान वाहनो के दस्तावेज, हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस और संधिध गतिविधियों की गहन जांच की गई वहीं, टाउन थाना क्षेत्र में महिला शक्ति पेट्रोलिंग भी संचालित की गई, जबकि जिले के विभिन्न आभूषण (ज्वेलरी) दुकानों के आसपास विशेष पुलिस गश्ती कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने कहा कि अपराध की रोकथाम, आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करने तथा असामाजिक तत्वों पर प्रभावी निगरानी के लिए इस प्रकार के विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और आवश्यक दस्तावेज साथ रखने की अपील की।



एसआईआर अभियान में तेजी, उपायुक्त रामनिवास यादव खुद पहुंचे घर-घर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
गिरिडीह। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर 2026 अभियान के तहत जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह-उपायुक्त रामनिवास यादव ने रविवार को बेंगाबाद प्रखंड में घर-घर जाकर अभियान का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदाताओं से बातचीत की, गणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया का अवलोकन किया और स्वयं भी प्रपत्र भरकर पूरी व्यवस्था की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने संबंधित बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को



सख्त निर्देश देते हुए कहा कि रविवार शाम तक गणना प्रपत्रों का शत-प्रतिशत वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन हर

हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है, इसलिए कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। उपायुक्त ने अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही जिले के नागरिकों से अपील की कि वे गणना प्रपत्र समय पर भरकर संबंधित बीएलओ को उपलब्ध कराएं, ताकि मतदाता सूची को अधिक सटीक, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाया जा सके।

भगवद्धक्ति, सत्संग-ध्यान से सुख मिलता : स्वामी गंगाधर जी महाराज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
खूँटी। महर्षि मेंही आश्रम मलियादा मुहूर्त में रविवार को विशेष सत्संग का आयोजन किया गया। जिसमें ऋषिेश आश्रम के स्वामी गंगाधर जी महाराज ने कहा कि देव दुर्लभ शरीर पाकर भी यदि मनुष्य भगवद्धक्ति, सत्संग - ध्यान नहीं करता तो दुःख में पड़ जायेगा। चौरसी लाख योनिओं में पड़कर कीर्त पतंग पशु -पक्षी -कृमि बन कष्ट पायेगा। ईश्वर का विधान भगवत भजन है। उन्होंने कहा कि मानव योनि कर्म प्रधान है, अपने अच्छे कर्मों से हम जीवन को सुखी और सम्पन्न बना सकते हैं। माता शर्वाी ने मर्त्य ऋषि से गुंफि लेकर भक्ति की, जिससे प्रभु राम स्वयं दर्शन देने पहुंचे। भगवान बुद्ध को 550जन्मों के पश्चात भगवत प्राप्ति हुई,मुंझें मिला। संत मत सत्संग में ईश्यां खस कर प्रेम भाईचाय का मार्ग बताया गया है। भगवान शंकर और भस्मासुर की कथा सुनाकर, तथा राजा जनक अश्वक मुनि के दृष्टांतों से सत्य और भक्ति के मार्ग को सरलतम शब्दों में बताया। मन और इंद्रियों पर नियंत्रण रखना चाहिए, शुभ कर्म और संतोष से सुख मिलता है। लाहिड़ी बाबा, दिगंबर बाबा,राम बाबा, गोपाल बाबा ने भी कहा कि संतों द्वारा बताए मार्ग पर चलकर मंत्र जप करते रहने से कभी कोई बाधा परेशानी नहीं होगी। कार्यक्रम में कोलकाता की मनीषा कटारिया एवं उनकी माता संतोष देवी अग्रवाल उपस्थित रहे और भंडारे का आयोजन किया। मौके पर डॉ धर्मेन्द्र नाथ तिवारी, संजय सत्संगी, नंदिनी देवी,मूच्यारय मुंडा,मंगल मुंडा, विष्णु मुंडा, जगमोहन पुर्वि, सुखराम मुंडा, ध्रुवेंद्र भास्कर,सुबोध मुखिया, जगन्नाथ मुंडा, रासबिहारी मुंडा, रामहरि साव, सुरेश पांडव, सनिका मुंडा,गीला मुंडा , हरिद्वार ठाकुर, बौर कुमार, संतोष गुप्ता सूरजमल प्रसाद सहित अन्य उपस्थित रहे।

एबीवीपी के 78वें स्थापना दिवस पर राज्य स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट संपन्न, हरलाडीह टीम बनी चैंपियन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
गिरिडीह। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के 78वें स्थापना दिवस एवं राष्ट्र विद्यार्थी दिवस के अवसर पर गिरिडीह के झंडा मैदान में आयोजित भगवान बिरसा मुंडा राज्य स्तरीय दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट रविवार को संपन्न हो गया। प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों की 16 टीमों ने हिस्सा लिया फाइनल मुकाबला एच.ई. हॉस्टल और हरलाडीह टीम के बीच खेला गया, जिसमें शांदाद प्रदर्शन करते हुए हरलाडीह ने खिताब अपने नाम किया। समापन समारोह में विजेता और उपविजेता टीमों को सम्मानित



कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया गया इस अवसर पर एस.पी. सिन्हा, मुकेश रंजन, कृष्णा त्रिवेदी, विजय ओझा, अनौरा, नीरज, विनय सिंह, डॉ. शैलेंद्र चौधरी, सुरेश साव, रंजीत राय, संजीत सिंह पप्पू और अभिनवजोति सहित कई गणमाय लोग उपस्थित रहे अतिथियों ने कहा कि एबीवीपी अपनी स्थापना से ही छात्र, समाज और राष्ट्रहित में कार्य करती रही है। समाजसेवी विनय सिंह ने कहा कि परिषद ने 78 वर्षों की यात्रा में राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वहीं डॉ. शैलेंद्र चौधरी ने बताया कि एबीवीपी देशभर में "स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम" अभियान चला रही है, ताकि युवा खेलकूद से जुड़कर शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बन सकें कार्यक्रम में नगर सह मंत्री अभिजीत सिन्हा, शुभम कुमार, रोहित कुमार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं खेल प्रेमी मौजूद रहे।

धनबाद के विकास के लिए गैर-राजनीतिक मंच 22 जुलाई को देगा धरना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
धनबाद। निरसा विधायक के प्रति स्वर्गीय गुरदास चटर्जी हमेशा कहते थे कि धनबाद के विकास में सबसे बड़े बाधक यहां के जनप्रतिनिधि हैं। उनका मानना था कि धनबाद जिले में 6 विधायक हैं। गिरिडीह को मिला दिया जाए तो दो सांसद हो जाते हैं। ऐसे में अगर 6 विधायक और दो सांसद किसी काम को दलगत भावना से ऊपर उठकर ठान लें, तो कोई वजह नहीं है कि काम नहीं हो। मुखमंत्री चाहे कोई भी हो, प्रधानमंत्री चाहे कोई भी हो। उसी तर्ज पर उनके पुत्र विकास की राजनीति की निरसा विधायक अरूप चटर्जी



ने प्रयास शुरू किया है। रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि धनबाद में अब विकास की राजनीति की जरूरत है। सभी राजनीतिक और सामाजिक लोगों को एक मंच पर आना चाहिए और धनबाद के साथ जो भी उपेक्षा हुई है, उसको अतीत की बात मानकर नई संसूआत करनी चाहिए। इसके लिए 22 जुलाई को रणधीर वर्मा चौक पर एकदिवसीय धरना देने का निर्णय लिया गया है। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोई राजनीतिक

बात नहीं हुई। इसको एक अच्छी पहल कहा जाना चाहिए। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल, पूर्व विवाडा अध्यक्ष विजय झा भी शामिल थे। शेखर अग्रवाल ने कहा कि धनबाद में बहुत कुछ है, लेकिन इसकी केवल नकारात्मक छवि को प्रचारित किया जाता है। धनबाद में जो ऊर्जा है, उसका सही उपयोग नहीं किया जाता। अगर आईआईटी आईएएसएम का ही सही ढंग से उपयोग किया जाए, तो धनबाद के विकास में यह संस्थान बहुत सहायक सिद्ध हो सकता है। उन्होंने कहा कि कोई काम होता है तो इसका श्रेय किसी व्यक्ति को लेने के बजाय जनता को मिलाना चाहिए। जनता जिन जनप्रतिनिधियों को चुनकर भेजती है, उनका काम ही होता है जनता के लिए काम करना। विजय झा ने कहा कि राजनीतिक माहौल का विकास पर बुरा असर पड़ता है। धनबाद का कोयला दूसरे राज्यों में जाकर उद्योग खड़ा कर देता है, लेकिन धनबाद में कोयला आधारित उद्योग पर्याप्तसन्न हैं। इसके लिए राजनीतिक माहौल पूरी तरह से जिम्मेवार है। अगर पहल शुरू हुई है तो इसे मुकाम तक पहुंचाने की जरूरत है।

अवैध हथियार व चोरी किये गये चांदी के सामान के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
मधुबनी। फुलपरास थाना को गुप्त सूचना प्राप्त हुआ कि थाना अन्तर्गत पेता निवासी बसंत कुमार दिल्ली से चोरी किया हुआ चांदी का सामान अपने घर में छुपाकर रखा है, जिसे बेचने की योजना बना रहा है। उक्त सूचना से वरीय पदाधिकारी को अवगत कराते हुए प्राप्त निदेशानुसार फुलपरास थाना की पुलिस टीम तुरंत बसंत कुमार के घर पर पहुंची तो एक व्यक्ति घर के अन्दर से पीछे की ओर भागा। जिसे पुलिस टीम द्वारा पकड़ने का प्रयास किया गया परंतु वह भागने में सफल रहा। उक्त व्यक्ति की पहचान बसंत कुमार के रूप किया गया। बसंत कुमार के घर की विधिवत तलाशी लेने पर चांदी जैसा 02 पुराना लोटा, 01 छोटा थाली, 01 तीन पांव बाला पुराना पनशला स्टैंड, 01 छोटा पनशला (कलश जैसा) बरामद हुआ। इस संबंध में घर में उपस्थित बसंत कुमार की मां द्वारा बताया गया कि दो दिन पूर्व मेरा बेटा दिल्ली से इसे लेकर आया है। तत्पश्चात बरामद सभी सामानों को बिधिवत जप्त किया गया। पुनः गुप्तचर द्वारा सूचना प्राप्त हुआ कि बसंत कुमार चोरी का अन्य सामान अरुण सिंह के घर में भी छुपाकर रखा हुआ है। जब पुलिस द्वारा तुरंत अरुण सिंह के घर की तलाशी ली गई तो उनके घर से 02 पुराना रायफल बरामद हुआ। इस संबंध में अरुण सिंह से पूछताछ करने पर बताया गया की यह रायफल बसंत कुमार द्वारा

- चांदी का लोटा 188 ग्राम (लगभग)
- चांदी का छोटा लोटा 130 ग्राम (लगभग)
- चांदी का थाली 220 ग्राम (लगभग)
- एक तीन पांव बाला पुराना पनशला स्टैंड 200 ग्राम (लगभग)
- एक छोटा पनशला (कलश जैसा) 31 ग्राम (लगभग)
- राईफल : 02

लाकर रखा है। तदोपरांत बरामद सभी सामान को विधिवत जप्त कर गिरफ्तार अरुण सिंह को थाना लाया गया। अवैध रूप से हथियार / चोरी का सामान छुपाकर रखना एवं बेचना एक संज्ञेय अपराध है। इस संबंध में फुलपरास थाना द्वारा सुसंगत धाराओं के तहत कांड दर्ज कर गिरफ्तार युवक को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। फरार अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु छापेमारी जारी है एवं अन्य विधि सम्मत अभिगम कार्रवाई की जा रही हैं। > गिरफ्तार अभियुक्त का नाम अरुण सिंह, पे०- स्व० लक्ष्मी नारायण सिंह, सा०- पेता, थाना- फुलपरास, जिला-मधुबनी।

एक नजर

वारंटी के घर चिपकाया इश्तेहार, एक गिरफ्तार

हसपुरा (औरंगाबाद)। हसपुरा थाना पुलिस क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह से तत्पर दिख रही है। दाउदनगर न्यायालय द्वारा कुर्की जब्ती वारंटों के घर रविवार की दोपहर हसपुरा पुलिस दलबल के साथ पहुंच कर वारंटियों के घर के सामने डुगडुगी बजवाकर इश्तेहार चिपकाया। प्रभारी थानाध्यक्ष रवि रंजन मंडल ने घर से निकल विनोद यादव ने पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया, जिसे गिरफ्तार कर थाना लाया गया। हरदयाल विगहा गांव निवासी शिव जी प्रसाद के पुत्र बबलु कुमार के घर पर भी इश्तेहार चिपकाया गया। वहीं पुराने मामले में नाजद अभियुक्त बनी तिलकपुरा गांव की बुचिया देवी पर भी कोर्ट द्वारा कुर्की जब्ती का वारंट निर्गत था। पुलिस दल के दरवाजे पर पहुंचने पर पता चला कि बुचिया देवी की मौत पहले ही हो चुकी है। प्रभारी थानाध्यक्ष ने बताया कि क्षेत्र के सभी अपराधी किस्म के वारंटी व्यक्ति आत्मसमर्पण कर दें, अन्यथा सभी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जाएगा।

सेवानिवृत्त चौकीदार उपेंद्र पासवान को विदाई

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज थाना परिसर के सभाकक्ष में रविवार को चौकीदार उपेंद्र पासवान की सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन थानाध्यक्ष शंभु कुमार ने किया। थानाध्यक्ष ने उपेंद्र पासवान की कार्यनिष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता की सराहना करते हुए कहा कि चौकीदार थाना व्यवस्था का अभिन्न अंग होता है। उन्होंने कहा कि उपेंद्र पासवान ने अपने पूरे सेवाकाल में पूरी निष्ठा, सतर्कता और ईमानदारी के साथ पुलिस कार्यों में सहयोग दिया। उन्होंने उनके स्वस्थ, सुखद एवं मंगलमय जीवन की कामना करते हुए भविष्य में भी मार्गदर्शन और सहयोग की अपेक्षा जताई। समारोह में उपस्थित अन्य पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने भी सेवानिवृत्त चौकीदार के योगदान को याद करते हुए उन्हें सममानपूर्वक विदाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अपर थानाध्यक्ष कौशलेंद्र कुमार, एसआई उमेश कुमार, मिथिलेश कुमार, रविकान्त कुमार, एसएसआई मुक्तिदेव निराला, विपिन कुमार, सुनील सिंह सहित थाना के सभी पुलिस पदाधिकारी, चौकीदार एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

पैर में गोली मारकर किया घायल, पटना रेफर हिलसा। प्रखंड क्षेत्र के सांघ गांव स्थित हुडारी खंचा में एक युवक को पैर में गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घटना के बाद ग्रामीणों के सहयोग से घायल को कराईपरसुराय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उसे पटना रेफर कर दिया।घायल की पहचान सांघ गांव निवासी रविंद्र कुमार उर्फ टलू के रूप में हुई है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि युवक के पैर में गोली लगी थी। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे पटना रेफर किया गया।घटना के संबंध में कराई परसुराय के थानाध्यक्ष सुशील कुमार पासवान ने बताया कि कुछ दिन पहले कुशहा गांव में मवेशी चोरी का एक मामला दर्ज कराया गया था। प्रारंभिक जांच में गोलीबारी की घटना का संबंध उसी मामले से जोड़कर देखा जा रहा है। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है और घटना में शामिल लोगों की पहचान व गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

15 जुलाई को होगा मलावां पैक्स अध्यक्ष का चुनाव, 1467 मतदाता करेंगे मतदान

समरौरा। प्रखंड के मलावां पैक्स अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। चुनाव में कुल 1467 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के लिए मलावां मध्य विद्यालय में तीन मतदान केंद्र (बूथ) बनाए गए हैं।प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) सह निर्वाची पदाधिकारी ने बताया कि 15 जुलाई को मतदान कराया जाएगा। चुनाव को लेकर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ मतदाताओं की सुविधा के लिए भी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं।उन्होंने बताया कि प्रशासन निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। साथ ही सभी मतदाताओं से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि को मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सफल बनाने में अपनी भागीदारी निभाएं।

भाजपा की बैठक में संगठन मजबूती पर जोर

बिहारशरीफ। भारतीय जनता पार्टी नालंदा की जिला मासिक बैठक रविवार को जिलाध्यक्ष राजेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में भाजपा प्रदेश मंत्री सह जिला प्रभारी संजय कुमार मुन्ना मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान जिले में हाल के दिनों में आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा की गई तथा आगामी संघटनात्मक गतिविधियों की सफलता के लिए रणनीति पर चर्चा हुई। प्रदेश मंत्री संजय कुमार मुन्ना ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत हैं और संगठन उनके मान-सम्मान का पूरा ध्यान रखता है। उन्होंने बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि बूथ और मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं को उम्मीदवार बनाना इस बात का प्रमाण है कि भाजपा निष्ठापूर्वक कार्य करने वालों को आगे बढ़ने का अवसर देती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को और मजबूत करने का आह्वान किया।जिलाध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपने दायित्वों का इमानदारी से निर्वहन करें तथा केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जल्दवर्षद लोगों तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। बैठक में जिला उपाध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार, सुधीर कुमार, साबो देवी, तेजस्विता राधा, डॉ. आशुतोष कुमार, नीरज कुमार डब्ल्यू, शिवशंकर दास, जिला महामंत्री विरेन्द्र गोपाल, शिवरतन प्रसाद, प्रवीण कुमार सिंह, अमरेश कुमार, योगेंद्र मंडल, जिला कुमार सोनी, गोपाल कुमार, विकास कुमार चंद्रवंशी, मणिकान्त पासवान, सुभाष सिंह सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सूर्यकुंड घाट की क्षतिग्रस्त सीढ़ियां बनीं हादसे का कारण, जीर्णोद्धार कार्य ठप



नवबिहार टाइम्स ब्यूरो
औरंगाबाद। भगवान भास्कर की नगरी देव स्थित ऐतिहासिक सूर्यकुंड तालाब के जीर्णोद्धार का कार्य कई महीनों से बंद पड़ा है। निर्माण कार्य में लगातार हो रही देरी के कारण आगामी देव छठ मेले के दौरान किसी बड़े हादसे की आशंका जलाई जा रही है। सूर्यकुंड के पवि् छोर पर गायत्री मंदिर के पीछे स्थित घाट की कई सीढ़ियां क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। लंबे समय से इनका पुनर्निर्माण नहीं होने से श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूर्व में तत्कालीन जलाधिकारी ने मामले का संज्ञान लेते हुए पर्यटन विभाग के कनीय एवं सहायक अभियंताओं को फटकर लागा था तथा शीघ्र निर्माण कार्य शुरू कराने के लिए विभाग को पत्र भी लिखा था। इसके बावजूद अब तक कार्य शुरू नहीं हो सका है। स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले देव छठ मेले के दौरान भी वर्तमान जलाधिकारी अफिलाषा शर्मा से इस संबंध में शिकायत की गई थी। उस समय उन्होंने शीघ्र कार्रवाई के आश्वासन दिया था, लेकिन निर्माण कार्य अब भी अधूरा पड़ा है। जनकारी के अनुसार सूर्यकुंड घाट के जीर्णोद्धार एवं भवन निर्माण के लिए पर्यटन विभाग द्वारा लागभग नौ करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। इसके बावजूद परियोजना समय पर पूरी नहीं हो सकी। गौरतलब है कि देव में आयोजित छठ महापर्व के अवसर पर प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु सूर्यकुंड में अर्घ्य देने पहुंचते हैं। ऐसे में क्षतिग्रस्त घाट और अधूरा निर्माण कार्य श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बन हुआ है।

बिहार-झारखंड

पलामू के 10 गांव फाइलेरिया डेंजर जोन में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता मेदिनीनगर (पलामू)। जिले में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग ने 10 गांवों को सर्वाधिक प्रभावित 'डेंजर जोन' के रूप में चिह्नित किया है। इसके अलावा 30 अन्य गांवों में भी फाइलेरिया की संभावित आशंका को देखते हुए विशेष निगरानी रखी जा रही है। अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें रात 10 बजे के बाद गांवों में विशेष शिविर लगाकर ग्रामीणों के रक्त नमूने एकत्र कर रही हैं। यह अभियान 16 जुलाई तक चलेगा। ब्लड सैपल की जांच रिपोर्ट के आधार पर यह आकलन किया जाएगा कि प्रभावित गांवों में फाइलेरिया का संक्रमण कम हुआ है या बढ़ा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार नावाबाजार प्रखंड का ईंटको, हुसैनाबाद का बराही, पाटन का किशुनपुर, नौडीहा बाजार का नावाटोड़, चैनपुर का पथरा, हरिहरगंज का कटैया, लेस्लीगंज का कोटखसा, मेदिनीनगर का सुआ कौड़िया, मनातू का नौडीहा तथा पांकी का करार गांव फाइलेरिया से सर्वाधिक प्रभावित हैं।

मतदान केंद्रों पर लगाए गए डिजिटाइजेशन कैंप, मतदाताओं की उमड़ी भीड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता पाकुड़। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर रविवार को जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों के दर्जनों मतदान केंद्रों पर डिजिटाइजेशन कैंप लगाए गए। जिला प्रशासन के निर्देश पर पाकुड़, लिट्टीपाड़ा और महेशपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर लगाए गए कैंप में गणना प्रपत्र का वितरण, संग्रहण के साथ-साथ प्रपत्रों का ऑनलाइन डिजिटाइजेशन किया गया। कैंपों में एसआईआर प्रपत्रों को जमा करने और उसका डिजिटाइजेशन कराने बड़ी संख्या में मतदाता पहुंचे थे। बूथों पर आयोजित कैंप में मतदाताओं के बीच गणना प्रपत्रों का वितरण भी किया गया। मतदाताओं को सहयोग करने के लिए बूथ लेवल पदाधिकारी, बीएलओ सुपरवाइजर, वोलेंटर, राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट भी मौजूद रहे। उप विकास आयुक्त अरविंद कुमार लाल, अनुमंडल पदाधिकारी साहमन मुंकांटी, उप जिला निर्वाचन पदाधिकारी मोजाहिद अंसारी, नगर प्रशासक अमर्ंद कुमार चौधरी सहित अन्य पदाधिकारियों ने कैंपों का निरीक्षण भी किया। इस दौरान पदाधिकारियों ने कैंपों में घंटों समय दिया और वैसे मतदाताओं को सहयोग किया जो गणना प्रपत्र लेकर

हरिहरगंज बाईपास निर्माण से संडा के जगन बिगहा में जलजमाव का संकट, ग्रामीण परेशान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता अंबा (औरंगाबाद)। नेशनल हाईवे 139 पर हरिहरगंज बाईपास का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद ग्राम पंचायत संडा के जगन बिगहा गांव के ग्रामीणों के लिए नई मुसीबत खड़ी हो गई है। बाईपास निर्माण के कारण गांव में नाली के पानी की निकासी पूरी तरह ठप हो गई है, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश और चिंता है। ग्रामीणों का कहना है कि भीषण गर्मी के मौसम में तो जैसे-तैसे वक्त कट गया, लेकिन अब मॉनसून के दस्तक के साथ ही पूरे गांव में जलजमाव की गंभीर समस्या उत्पन्न होने का खतरा मंझराने लगा है। ग्रामीण अमरेश मेहता ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण और बाईपास निर्माण से पहले स्थिति ऐसी नहीं थी। पूर्व में सड़क पर बने पुल के माध्यम से नाली का पानी आसानी से सड़क के किनारे-किनारे निकल जाता था। परंतु, इस बार निर्माण कार्य कर रही

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस धूमधाम से संपन्न



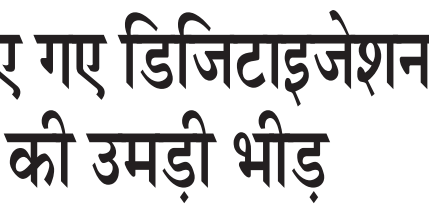
नवबिहार टाइम्स ब्यूरो औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद के पटेल कालोनी के समीप मनोकामना मंदिर के पास शिव दर्शन भवन के प्रांगण में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शाखा औरंगाबाद का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के जिला प्रवक्ता जितेंद्र गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर थानाध्यक्ष भवन बैठा की गरिमाई उपस्थिति रही। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। संबोधन के क्रम में मुख्य अतिथि ने बताया कि यह संस्था आध्यात्मिक चेतना को बढ़ाने में मजबूती प्रदान करती है। स्थापना दिवस के मौके पर संस्था के ऊपरी तल्ला का उद्घाटन किया गया। अब कार्यालय में मॉडर्नशन रूम, कम्प्यूटर रम की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम का संचालन करण कुमार द्वारा किया गया। मौके पर मंडल अध्यक्ष अंबा के प्रवीण गुप्ता सहित सैकड़ों श्रद्धालु भक्त उपस्थित थे।

बेल-बराही पथ चपरी में उभरे गड्डों से हो रही है परेशानी

औरंगाबाद/ नवबिहार टाइम्स संवाददाता। ओबरा-बेल रोड से बराही जाने वाली सड़क की स्थिति बद से बदतर हो गई है। यह स्थिति ओबरा प्रखंड के चपरी देवी के पास की है। जहां पर घरों की पानी जमा होने से गड्डों में तब्दील हो गई है। बरसात के दिनों में तो युक्त जगहों पर मौत का कुआं बन जाता है। युक्त जगह गड्डों में पानी जमा रहने से आम लोगों की परेशानियां हो रही है। स्कूली बच्चों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। इसी मार्ग से ज्ञान गंगा लक्ष्मी पब्लिक स्कूल पड़ता है। इसी मार्ग से विद्यालय के बच्चे बस पर जाते हैं। सैकड़ों वाहनों का आवागमन है। वैसी स्थिति में जलजमाव का खतरा बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि कई घरों का पानी नाली का निर्माण नहीं होने से सड़को पर जमा हो जाता है और बरसात के दिन भी मौत का कुंआ बन जाता है। जिससे राहगीरों को वाहन तो दूर पैदल जाने पर भी मौत की परेशानियां हो रही हैं।



इन सभी गांवों में स्वास्थ्य विभाग की टीमें रात के समय पहुंचकर ग्रामीणों के रक्त नमूने ले रही हैं। इन 10 गांवों के अलावा 30 अन्य गांवों में भी प्रत्येक गांव से 300-300 नमूने एकत्र किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने जिले के 40 गांवों



कई दिनों से परेशान थे। मौके पर मौजूद जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी मोजाहिद अंसारी ने बताया जिले के सुदूरवर्ती वैसे इलाके जहां नेटवर्क की समस्या है उन इलाके के लोगों की सहूलियत के लिए प्रशासन ने नेटवर्क वाले इलाकों में कैंप लागाना का निर्णय लिया, ताकि मतदाताओं द्वारा बीएलओ के पास जमा किए गए गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन किया जा सके। साथ ही वैसे मतदाता जो गणना प्रपत्र भरने में सक्षम नहीं हैं उन्हें मदद करने का भी काम कैंपों में किया जा रहा है। साथ ही गणना प्रपत्र का वितरण भी किया जा रहा है, ताकि कार्य में तेजी आए और मतदाताओं को किसी प्रकार की दिक्कत न हो।

युवक के साथ मारपीट, एमएलए के साथ एसपी कार्यालय पहुंचा पीड़ित युवक

में कुल 16,612 परिवारों को चिह्नित किया है। इन परिवारों की आबादी लगभग 1.11 लाख है। अभियान के दौरान कुल 9,000 रक्त नमूने एकत्र करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए अलग-अलग स्वास्थ्य टीमों का गठन किया गया है, जो रात्रि में गांवों में शिविर लगाकर जांच कार्य कर रही हैं। पलामू के सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि फाइलेरिया फैलाने वाले मच्छर सामान्यतः रात 10 बजे के बाद अधिक सक्रिय होते हैं। इसी कारण रक्त नमूने भी उसी समय लिए जा रहे हैं, ताकि संक्रमण की सटीक पहचान हो सके। उन्होंने कहा कि जांच अभियान के साथ-साथ लोगों को फाइलेरिया से बचाव और इसके उन्मूलन के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।

युवक के साथ मारपीट, एमएलए के साथ एसपी कार्यालय पहुंचा पीड़ित युवक

गढ़वा। जिले में भू-माफियाओं की दबंगई का एक मामला सामने आया है। यहां कुछ लोगों ने मिस्रकर बीच सड़क पर एक युवक के साथ मारपीट कर दी। मामला सदर थाना क्षेत्र के चेतना गांव के पास का है। दरअसल, रुपम चंद्रवंशी नाम का एक युवक घर से काम करने के लिए निकला था लेकिन पहले से घात लगाए बैठे कुछ लोग दो मोटरसाइकिल से पहुंचे और युवक पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। जब तक लड़का कुछ समझ पाता तब तक मारपीट करने वाले लोग मौके के फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने मामले की जानकारी स्थानीय विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी को दी। जिसके बाद विधायक पीड़ित को लेकर सीधे एसपी कार्यालय पहुंचे और मामले की शिकायत करके जल्द से जल्द कोत्वाई की मांग पुलिस से की। इधर, मारपीट में घायल युवक ने बताया कि शाहरुख नाम का 'गुंडा' है, उसके लड़कों ने मेरे साथ मारपीट की है जबकि पहले से मेरा कोई विवाद नहीं है। पीड़ित ने बताया कि

होने की बात कहकर उन्हें लौटा दिया गया। करीब एक वर्ष तक कार्यालयों के चक्कर लगाने के बाद समाज सुरक्षा कोषांग में जानकारी मिली कि डीबीटी प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण भुगतान रुका हुआ है। वहीं, समाज सुरक्षा कोषांग की अधिकारी सरिता भारती ने बताया कि देवघर जिले में लगभग ढाई लाख महिलाएं मंडियां सम्मान योजना का लाभ प्राप्त कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जुलाई तक का भुगतान जल्द जारी किया जाएगा और तीस माह की 7,500 की राशि एक साथ लाभुकों के बैंक खातों में भेजी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन महिलाओं को अब तक भुगतान नहीं मिला है, उनके बैंक खाते, डीबीटी अथवा नाम संबंधी त्रुटियां इसकी प्रमुख वजह हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि फिलहाल प्रॉव्ल पर नाम सुधार की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण कई मामलों में भुगतान लंबित था।

पंडरा में स्ट्रीट वेंडर्स के लिए बनेगा स्थायी बाजार, सांसद संजय सेठ और मेयर रोशनी खलखो ने किया स्थल निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो रांची। राजधानी रांची के पंडरा क्षेत्र में वर्षों से सड़क किनारे दुकानें लगाकर आजीविका चलाने वाले स्ट्रीट वेंडर्स को जल्द ही स्थायी और सुव्यवस्थित बाजार की सौगात मिल सकती है। इस दिशा में पहल करते हुए रविवार को रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ और रांची की महापौर रोशनी खलखो ने संयुक्त रूप से संभावित स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ स्ट्रीट वेंडर्स के लिए स्थायी बाजार विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा की गई। जानकारी के अनुसार, ओटीसी मैदान से पंडरा फ्रेड्स कॉलोनी तक बड़ी संख्या में स्ट्रीट वेंडर्स प्रतिदिन सड़क किनारे दुकानें लगाते हैं। हालांकि, स्थायी स्थान नहीं होने के कारण उन्हें आए दिन अतिक्रमण हटाओ अभियान, यातायात की समस्या और अन्य प्रशासनिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या के समाधान को लेकर हाल ही में आयोजित रांची नगर निगम परिषद की बैठक में सांसद संजय सेठ ने यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने स्ट्रीट वेंडर्स के लिए एक स्थायी और व्यवस्थित स्थान विकसित करने का सुझाव दिया था, ताकि उनकी आजीविका सुरक्षित हो सके। इस क्रम में रविवार को सांसद संजय सेठ और महापौर रोशनी खलखो ने पंडरा थाना के सामने स्थित खाली सरकारी भूमि और पंडरा पुल के पार दाहिनी ओर स्थित खाली स्थान का निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों के साथ स्थल की उपयोंगिता, पहुंच मार्ग और आवश्यक बुनियादी सुविधाओं पर चर्चा की। इस मौके पर रक्षा राज्य

पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर को अधिक हरित और पर्यावरण अनुकूल बनाने का संकल्प भी दोहराया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। आयोजन का उद्देश्य केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं था, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन और आने वाली पीढ़ियों के लिए

पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर को अधिक हरित और पर्यावरण अनुकूल बनाने का संकल्प भी दोहराया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। आयोजन का उद्देश्य केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं था, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन और आने वाली पीढ़ियों के लिए

पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा में अयवस्था पर फूटा अभ्यर्थियों का गुस्सा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता धनबाद। एसएसएलएनटी महिला महाविद्यालय में रविवार को आयोजित झारखंड पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा के दौरान कथित अयवस्था को लेकर अभ्यर्थियों और उनके परिजनों ने जमकर विरोध-प्रदर्शन किया। आधार कार्ड की फोटोकॉपी जमा करने की प्रक्रिया के दौरान परीक्षा केंद्र से बाहर गए कई अभ्यर्थियों को लौटने पर परीक्षा कक्ष में प्रवेश नहीं दिया गया। इससे नाजअ अभ्यर्थियों ने कॉलेज के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन करते हुए परीक्षा संचालन व्यवस्था पर सवाल उठाए। अभ्यर्थियों का आरोप है कि परीक्षा केंद्र पर आधार कार्ड की फोटोकॉपी जमा करने का निर्देश दिया गया था। केंद्र प्रशासन की अनुमति मिलने के बाद वे फोटोकॉपी कराने बाहर गए और निर्धारित समय के भीतर लौट भी



मेरी जमीन में मिट्टी के लिए खनन किया जा रहा था, जिसे लेकर हमने मना किया था, बस इसी वजह से मेरे साथ मारपीट हुई है।

अधिकारियों से बातचीत के बाद संबंधित महिलाओं के डीबीटी सक्रिय कराने और नाम संबंधी त्रुटियों में सुधार की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वहीं, समाज सुरक्षा कोषांग की अधिकारी सरिता भारती ने बताया कि देवघर जिले में लगभग ढाई लाख महिलाएं मंडियां सम्मान योजना का लाभ प्राप्त कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जुलाई तक का भुगतान जल्द जारी किया जाएगा और तीस माह की 7,500 की राशि एक साथ लाभुकों के बैंक खातों में भेजी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन महिलाओं को अब तक भुगतान नहीं मिला है, उनके बैंक खाते, डीबीटी अथवा नाम संबंधी त्रुटियां इसकी प्रमुख वजह हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि फिलहाल प्रॉव्ल पर नाम सुधार की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण कई मामलों में भुगतान लंबित है।

पंडरा में स्ट्रीट वेंडर्स के लिए बनेगा स्थायी बाजार, सांसद संजय सेठ और मेयर रोशनी खलखो ने किया स्थल निरीक्षण



मंत्री संजय सेठ ने कहा कि स्ट्रीट वेंडर्स शहर की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उन्हें सम्मानजनक माहौल में रोजगार करने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम और संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर इस दिशा में ठोस पहल की जाएगी, ताकि वेंडर्स को स्थायी स्थान उपलब्ध कराया जा सके। महापौर रोशनी खलखो ने कहा कि नगर निगम की प्राथमिकता है कि स्ट्रीट वेंडर्स को व्यवस्थित स्थान मिले, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था भी बेहतर हो और छोटे कारोबारियों की आजीविका भी सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित स्थल को विकसित कर वहां दुकानों की समुचित व्यवस्था की जाएगी, ताकि वेंडर्स बिना किसी असुविधा के अपना व्यवसाय संचालित कर सकें। योजना केवल स्ट्रीट वेंडर्स के लिए बाजार

हरित वातावरण तैयार करने की दिशा में सामूहिक जम्मेदारी का संदेश देना भी था। इस अवसर पर कुलपति प्रो। सरोज शर्मा ने कहा कि झारखंड प्राकृतिक संपदा और हरियाली से समृद्ध राज्य है। ऐसे में विश्वविद्यालय परिवार का दायित्व है कि वह इस प्राकृतिक विरासत को संरक्षित करने में सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर को अधिक हराभरा बनाकर

विद्यार्थियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हरित वीथिका केवल पौधरोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि पर्यावरण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आने वाले समय में लगाए गए पौधों का संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा, ताकि वे विकसित होकर परिसर की हरियाली को और समृद्ध बना सकें।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर को अधिक हरित और पर्यावरण अनुकूल बनाने का संकल्प भी दोहराया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। आयोजन का उद्देश्य केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं था, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन और आने वाली पीढ़ियों के लिए

पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर को अधिक हरित और पर्यावरण अनुकूल बनाने का संकल्प भी दोहराया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। आयोजन का उद्देश्य केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं था, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन और आने वाली पीढ़ियों के लिए

पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर को अधिक हरित और पर्यावरण अनुकूल बनाने का संकल्प भी दोहराया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। आयोजन का उद्देश्य केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं था, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन और आने वाली पीढ़ियों के लिए

पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर को अधिक हरित और पर्यावरण अनुकूल बनाने का संकल्प भी दोहराया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। आयोजन का उद्देश्य केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं था, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन और आने वाली पीढ़ियों के लिए

कम वर्षा वाले जिलों में लीन पीरियड की अवधि बढ़ी, मजदूरों को लगातार मिलेगा काम : श्रवण कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि आपदा और कम वर्षा की स्थिति में ग्रामीण मजदूरों को लगातार रोजगार उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने वीर बहादुर ग्राम योजना (वीबी-जी राम जी योजना) के तहत पूर्व में घोषित लीन पीरियड की अवधि में बदलाव किया है। इस संबंध में अधिसूचना जारी कर प्रभावित जिलों में संशोधित अवधि लागू कर दी गई है। श्रवण कुमार ने बताया कि कृषि विभाग के आकलन के अनुसार इस वर्ष कम वर्षापात और अल-नीनो के प्रभाव के कारण कृषि गतिविधियां प्रभावित हुई हैं।



बदलती कृषि परिस्थितियों को देखते हुए ग्रामीण श्रमिकों की आजीविका सुरक्षित रखने के उद्देश्य से यह नीतिगत निर्णय लिया गया है नई व्यवस्था के तहत वर्षा की कमी से प्रभावित जिलों में 20 जुलाई

2026 तक लीन पीरियड प्रभावी रहेगा। वहीं शेखपुरा, मुंगेर, लखीसराय, जमुई, भागलपुर और बांका में लीन पीरियड 10 अगस्त तक लागू रहेगा। इसके अलावा रोहतास, भोजपुर, बक्सर, कैमूर, अरवल, पटना, जहानाबाद, नवादा, नालंदा, औरंगाबाद तथा गया में यह अवधि 9 अगस्त तक प्रभावी मानी जाएगी। मंत्री ने संबंधित जिलों के जिलाधिकारियों और उप विकास आयुक्तों को निर्देश दिया है कि लीन पीरियड शुरू होने से पहले सभी तैयारियां युद्धस्तर पर पूरी कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

इसके लिए अधिक से अधिक जॉब कार्डधारी श्रमिकों को तत्काल विभिन्न योजनाओं में नियोजित किया जाए तथा मानव दिवस सृजन की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। श्रवण कुमार ने विभाग के सभी प्रशासनिक अधिकारियों को भी निर्देश दिए हैं कि निर्धारित समय सीमा के भीतर अधिकतम श्रमिकों को रोजगार से जोड़ने और योजनाओं के तीव्र क्रियान्वयन की कार्ययोजना तैयार कर उसकी रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि संकट की स्थिति में किसी भी गरीब परिवार को रोजगार के अभाव का सामना नहीं करना पड़े, यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दिल्ली में घेरा डालो डेरा डालो कार्यक्रम करेंगे शिक्षक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के राज्य पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष व जिला प्रधान सचिवों की राज्यस्तरीय बैठक रविवार को हरेंद्र प्रसाद राय की अध्यक्षता में हुई। इसमें वरीय उपाध्यक्ष मिथिलेश शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों की मौजूदगी में टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता के विरुद्ध संघर्ष पर चर्चा हुई। तय हुआ कि मानसून सत्र के दौरान अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के द्वारा निर्धारित कार्यक्रम घेरा डालो डेरा डालो को सफल बनाने के लिए बिहार से हजारों शिक्षक दिल्ली जाएंगे। वहां अपने क्षेत्र के सांसदों का मांगों के समर्थन में घेराव करेंगे व विधिवत ज्ञापन सौंपेंगे। दिसंबर तक सभी प्रखंड एवं अंचलों व अप्रैल 2027 तक बिहार के सभी जिलों में संगठन का चुनाव कराने का निर्णय हुआ।

45 वर्षों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा नाबार्ड : गौतम कुमार सिंह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने रविवार को अपना 45वां स्थापना दिवस मौर्या लोक कॉम्प्लेक्स स्थित बिहार क्षेत्रीय कार्यालय में मनाया। समारोह में मुख्य महाप्रबंधक गौतम कुमार सिंह ने कहा कि नाबार्ड पिछले 45 वर्षों से कृषि, ग्रामीण विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि बदलती परिस्थितियों में महिला किसानों के सर्वाधिकरण, जल संरक्षण और टिकाऊ कृषि विकास को और अधिक प्राथमिकता दी जाएगी। कार्यक्रम में बिहार राज्य सहकारी बैंक, नालंदा जिला सहकारी बैंक, सीवान जिला सहकारी बैंक, गोपालगंज जिला सहकारी बैंक, पाटलिपुत्र जिला सहकारी बैंक तथा वैशाली जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष शामिल हुए।

स्व. सत्येंद्र नारायण सिन्हा की जयंती पर कांग्रेस नेताओं ने दी श्रद्धांजलि



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी स्व सत्येंद्र नारायण सिंह की 110 वीं जयंती आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ की अध्यक्षता में श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर राजेश राठौड़ ने स्व. सत्येंद्र नारायण सिन्हा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में लोकतांत्रिक मूल्यों, स्वच्छ राजनीति और जनसेवा की

मिसाल कायम की। उनका जीवन सादगी, ईमानदारी और जनकल्याण के प्रति समर्पण का प्रतीक था। उनके आदर्श आज भी जनयतिनिधियों और युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि स्व. सत्येंद्र नारायण सिन्हा ने बिहार के विकास और लोकतंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके विचारों और सिद्धांतों को आत्मसात कर ही समाज में न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है।

मंत्री संतोष कुमार सुमन ने किया वीवो एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। वीवो इंडिया ने बिहार में अपने प्रीमियम रिटेल नेटवर्क का विस्तार करते हुए बोरिंग कैनाल रोड, पटना में अपना नया वीवो एक्सपीरियंस सेंटर लॉन्च किया। 1014 वर्ग फुट में फैला यह सेंटर वीवो के वैश्विक रिटेल मानकों के अनुरूप डिजाइन किया गया है जहां ग्राहकों को आधुनिक, प्रीमियम और इमर्सिव शॉपिंग अनुभव मिलेगा। इस एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन बिहार सरकार के लघु जल संसाधन मंत्री संतोष कुमार सुमन ने किया। इस अवसर पर वीवो इंडिया के चीफ क्रिएटिव ऑफिसर नारायण अदम, वीवो इंडिया (ब्रांड रिटेल) के सेल्स ऑपरेशन्स हेड प्रमोद कुमार पाल सहित वीवो इंडिया के रिटेल पार्टनर्स मौजूद रहे। इस सेंटर में ग्राहकों के लिए इंटरैक्टिव



एक्सपीरियंस जोन बनाए गए हैं जहां वे वीवो के नवीनतम स्मार्टफोन्स और कनेक्टेड इकोसिस्टम उत्पादों का अनुभव कर सकते हैं। साथ ही वीवो के प्रीमियम स्मार्टफोन्स से खींची गई शानदार तस्वीरों की एक विशेष फोटोग्राफी गैलरी भी प्रदर्शित की गई है जो ब्रांड की कैमरा तकनीक और इमेजिंग क्षमताओं को दर्शाती है। वीवो ने इस

अवसर पर भारत में अपने प्रीमियम रिटेल नेटवर्क को और मजबूत बनाने तथा ग्राहकों को वैश्विक स्तर का अनुभव उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। नया वीवो एक्सपीरियंस सेंटर अब ग्राहकों के लिए खुल चुका है जहां उन्हें व्यक्तिगत उत्पाद परामर्श, हैड्स-ऑन डेमो और विश्वस्तरीय रिटेल अनुभव प्राप्त होगा।

मीठापुर व्यावसायिक संघ ने एनडीए प्रत्याशी नीरज सिन्हा को दिया समर्थन, व्यापारियों ने जताया जीत का भरोसा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर आज मीठापुर व्यवसायिक संघ द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में एनडीए समर्थित प्रत्याशी नीरज सिन्हा का भव्य स्वागत किया गया। बैठक में उपस्थित व्यवसायी समाज ने सर्वसम्मति से नीरज सिन्हा को अपना समर्थन देने की घोषणा करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में बांकीपुर का सर्वांगीण विकास, व्यापारिक हितों की सुरक्षा तथा क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं



का और अधिक विस्तार सुनिश्चित होगा। बैठक के दौरान नीरज सिन्हा ने व्यवसायी बंधुओं से संवाद करते हुए कहा कि बांकीपुर की पहचान एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र के रूप में रही है। उन्होंने आश्चस्त किया कि जनता

का आशीर्वाद मिलने पर व्यापारियों की समस्याओं के समाधान, बेहतर आधारभूत संरचना, सुगम यातायात, सुरक्षा व्यवस्था तथा व्यापार के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड, सोनालीका ट्रैक्टर्स ने हाल ही में पंजाब के होशियारपुर में स्थित दुनिया के सबसे बड़े इंटीग्रेटेड ट्रैक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट से अपने 20 लाखवें ट्रैक्टर का उत्पादन कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी की 30 वर्षों की यात्रा में यह एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है जो किसानों को जताने का दम देता है कि उसकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। 1996 में पहला ट्रैक्टर लॉन्च करने वाली सोनालीका आज हर दो मिनट में एक ट्रैक्टर का उत्पादन कर रही है। कंपनी के ट्रैक्टर

कश्यप ऋषि के विचारों को आत्मसात करने की आवश्यकता : राज्यपाल ‘कश्यप का जीवन और दर्शन’ पुस्तक का राज्यपाल ने किया विमोचन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन ने आज जगजीवन राम संसदीय अध्ययन एवं राजनीतिक शोध संस्थान, पटना में आयोजित समारोह में लेखक डॉ. प्रो. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा द्वारा लिखित पुस्तक ‘कश्यप का जीवन और दर्शन’ का विमोचन किया। यह कार्यक्रम अखिल भारतीय कश्यप गोत्रीय महासभा द्वारा आयोजित किया गया था। राज्यपाल ने कहा कि मेरे जीवन का पूरा अनुभव कश्यप ऋषि द्वारा स्थापित कश्यप से ही प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि कश्मीर का नामाकरण कश्यप ऋषि के नाम पर ही किया गया था। लोकोक्ति के अनुसार भगवान शिव ने बाराभूला में त्रिशूल मारा था, उसी से झेलम नदी की उत्पत्ति हुई। राज्यपाल ने लोगों से कश्मीर और अमरनाथ जाने की



अपील किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम एकता स्थापित करने की एक साथक पहल है, ऐसे कार्यक्रम अनवरत होते रहने चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं संजय पासवान ने किया। उन्होंने कहा कि गोत्र समावेशी है। गोत्र पर विमर्श अपनी संस्कृति और प्रकृति को समझने का उत्कृष्ट प्रयास है। गोत्र समाज में समरसता स्थापित करता है। उन्होंने कहा कि जातियों के

विनाशकारी खेल को गोत्र के विमर्श के माध्यम से समाप्त किया जा सकता है। गोत्र पर विमर्श की बेहतरीन शुरुआत हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. गिरीश गौरव ने भी किया है। पुस्तक के लेखक प्रो. राजेंद्र प्रसाद शर्मा ने कश्यप ऋषि के जीवन और दर्शन के माध्यम से सृष्टि की उत्पत्ति और व्यवस्था पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कश्यप ऋषि का यह संदेश है कि मानव ही ब्रह्म है। उन्होंने मानव में निहित उत्कृष्ट छह

पूर्व सीएम नीतीश कुमार एवं मंत्री श्रवण कुमार ने लोगों की समस्याएं सुनीं, समाधान के निर्देश



लोगों ने अपनी व्यक्तिगत, सामाजिक और क्षेत्रीय समस्याओं से पूर्व मुख्यमंत्री को अवगत कराया। नीतीश कुमार ने सभी की बातें गंभीरता से सुनीं और संबंधित विषयों पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए उचित निर्देश दिए। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए

हर संभव प्रयास किया जाएगा। मुलाकातियों में झारखंड के पूर्व मंत्री सरयू राय भी शामिल रहे। उन्होंने नीतीश कुमार से शिक्षाचार मुलाकात की और विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इसके अलावा पार्टी के कई पुराने कार्यकर्ताओं ने भी उनसे भेंट की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने संगठन से जुड़े पुराने अनुभवों और स्मृतियों को

साझा किया तथा लंबे समय बाद मुलाकात पर प्रसन्नता व्यक्त की। सरकारी आवास पर दिनभर लोगों के आने-जाने का सिलसिला जारी रहा। विभिन्न जिलों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं और सुझाव रखे, जिन पर नीतीश कुमार ने गंभीरता से विचार करते हुए संबंधित मामलों में आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया।

शत्रुघ्न प्रसाद जीवन और साहित्य दोनों में अनुशासन के पैरोकार थे : अवधेश नारायण सिंह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। साहित्यकार के लिए कल्पना-शक्ति होना अति आवश्यक होता है। शत्रुघ्न प्रसाद जीवन और साहित्य दोनों में अनुशासन के पैरोकार थे। मैं अपने जीवन में उनके अनुशासन को हमेशा निभाने का प्रयास करता हूं। ये बातें आचार्य शत्रुघ्न प्रसाद शोध संस्थान, पटना एवं श्री अरविंद महिला कॉलेज, पटना के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित व्याख्यानमाला की चौथी शृंखला के कार्यक्रम में बिहार विधान परिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने कहीं। यह कार्यक्रम पटना स्थित श्री अरविंद महिला कॉलेज के सभागार में आयोजित की गई जिसमें शत्रुघ्न प्रसाद के उपन्यास ‘तख्ते ताऊस’ और ‘आचार्य भृगुहरि’ और उनका वाक्यपदीयम’ विषयक दो सत्रों में



विमर्श हुआ। उद्घाटन सत्र में श्री सिंह ने आचार्य जी के साथ बीते दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे वे हमेशा समाज और राष्ट्र के लिए चिंतित रहते थे। उन्होंने उपन्यास के केंद्र-बिंदु विषय मुग़ल आक्रांताओं द्वारा देश में बलात धर्म-परिवर्तन करना और महिलाओं के चरित्र-हनन जैसे मुद्दों को प्रमुखता से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि शत्रुघ्न प्रसाद चाहते थे कि उनकी लेखनी से वर्तमान पीढ़ी विगत इतिहास के उन

अमानवीय पक्ष को जाने, जिसकी कीमत हमारे पूर्वजों ने जान पर बाजी लगाकर चुकाई। इस सत्र में कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रेखा रानी ने अतिथियों को आंगवस्त्रम और महर्षि अरविंद का प्रतीक-चिह्नन देकर सम्मानित करते हुए अपने स्वागत भाषण में कहा कि ऐसे महान विभूति के साहित्यिक कर्म पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के लिए गर्व का विषय है।

लायंस क्लब ऑफ पाटलिपुत्र आस्था का ग्यारहवां स्थापना दिवस संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322इ के अंतर्गत संचालित लायंस क्लब ऑफ पाटलिपुत्र आस्था का ग्यारहवां स्थापना दिवस रविवार को चाणक्य होटल, पटना में हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमन कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. बसंत पंचानन ने क्लब की सेवा गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात क्लब के पूर्व अध्यक्ष, वर्तमान निदेशक एवं संस्थान के प्रबंध निदेशक लायन विजिन कुमार सिंह ने स्वागत भाषण देते हुए क्लब की स्थापना, उद्देश्य एवं समाज सेवा से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। निर्वतमान अध्यक्ष लायन डॉ. राहुल कुमार ने अपने कार्यकाल की



उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। निर्वतमान सचिव लायन मेधा सिंह ने क्लब की सेवा गतिविधियों की जानकारी दी जबकि निर्वतमान कोषाध्यक्ष लायन विकास कुमार ने वित्तीय विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में नए सदस्यों का इंडक्शन लायन मधुसूदन कुमार द्वारा तथा नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का इंस्टॉलेशन लायन डॉ. शैलेश कुमार सिन्हा द्वारा संपन्न कराया गया। इस अवसर पर पीडीजी लायन वीना गुप्ता, लायन डी. बी. एन. गुप्ता, मनोहर सिंह जी सहित अनेक वरिष्ठ

लायंस सदस्य उपस्थित रहे। नव-निर्वाचित अध्यक्ष लायन माधवी, सचिव लायन डॉ. सतेन्द्र सिन्हा एवं कोषाध्यक्ष लायन सुकृति ने पदभार ग्रहण किया। क्लब की चार्टर्ड अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ लायन डॉ. अमूल्य सिंह ने क्लब की स्थापना से लेकर सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उसकी उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रेरक उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि पारिवारिक एकता, सेवा भावना एवं टीमवर्क के कारण क्लब ने समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

सोनालीका ने 20 लाख ट्रैक्टर बनाए कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी में शुरू होगा ‘कौशल युवा कार्यक्रम’

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड, सोनालीका ट्रैक्टर्स ने हाल ही में पंजाब के होशियारपुर में स्थित दुनिया के सबसे बड़े इंटीग्रेटेड ट्रैक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट से अपने 20 लाखवें ट्रैक्टर का उत्पादन कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी की 30 वर्षों की यात्रा में यह एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है जो किसानों को जताने का दम देता है कि उसकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। 1996 में पहला ट्रैक्टर लॉन्च करने वाली सोनालीका आज हर दो मिनट में एक ट्रैक्टर का उत्पादन कर रही है। कंपनी के ट्रैक्टर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जंदाहा (वैशाली)। बिहार सरकार द्वारा कौशल विकास से संबंधित नीतिगत है कि उसके प्लांट में ट्रैक्टर निर्माण के निर्णयों एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में हो लिए आवश्यक सभी प्रमुख पुर्जे 100 रही देरी को देखते हुए छात्र हित को प्रतिष्ठित इन-हाउस तैयार किए जाते हैं सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कैरियर मिशन तथा प्रत्येक ट्रैक्टर को गुणवत्ता और कम्प्यूटर एकेडमी, जंदाहा ने अपने स्तर पर प्रदर्शन के उच्च मानकों पर परखा जाता ‘कौशल युवा कार्यक्रम’ प्रांभ करने का है। इस अवसर पर इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स निर्णय लिया है। संस्थान के निदेशक एवं लिमिटेड के वाइस चेयरमैन डॉ. अमृत शिक्षाविद् डॉ. आनन्द रंजन झा ने बताया सागर मितल ने कहा कि 20 लाखवें कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को ट्रैक्टर का उत्पादन किसानों के गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना, विश्वास, भारतीय मैन्युफैक्चरिंग उनके डिजिटल ज्ञान को बढ़ाना तथा उन्हें क्षमता और 30 वर्षों की मेहनत रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए सक्षम का प्रतीक है।

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जंदाहा (वैशाली)। बिहार सरकार द्वारा कौशल विकास से संबंधित नीतिगत निर्णयों एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में हो लिए आवश्यक सभी प्रमुख पुर्जे 100 रही देरी को देखते हुए छात्र हित को प्रतिष्ठित इन-हाउस तैयार किए जाते हैं सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कैरियर मिशन तथा प्रत्येक ट्रैक्टर को गुणवत्ता और कम्प्यूटर एकेडमी, जंदाहा ने अपने स्तर पर प्रदर्शन के उच्च मानकों पर परखा जाता ‘कौशल युवा कार्यक्रम’ प्रांभ करने का है। इस अवसर पर इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स निर्णय लिया है। संस्थान के निदेशक एवं लिमिटेड के वाइस चेयरमैन डॉ. अमृत शिक्षाविद् डॉ. आनन्द रंजन झा ने बताया सागर मितल ने कहा कि 20 लाखवें कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को ट्रैक्टर का उत्पादन किसानों के गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना, विश्वास, भारतीय मैन्युफैक्चरिंग उनके डिजिटल ज्ञान को बढ़ाना तथा उन्हें क्षमता और 30 वर्षों की मेहनत रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाना है। उन्होंने कहा कि सरकारी निर्णयों



में विलंब के कारण विद्यार्थियों का बहुमूल्य समय प्रभावित हो रहा है जिसे देखते हुए संस्थान ने छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखकर यह पहल की है। इस कार्यक्रम का जो पाठ्यक्रम तैयार किया गया है जिसमें प्रमुख रूप से आईटी लिटरेसी, लैंग्वेज स्किल्स, सॉफ्ट स्किल्स, व्यक्तित्व विकास, व्यवहार कुशलता,

आत्मविश्वास एवं रोजगार कौशल जैसे विषयों को रखा गया है। डॉ. झा ने कहा कि कैरियर मिशन का उद्देश्य केवल प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी एवं रोजगार योग्य बनाना है। यह कार्यक्रम तब तक संचालित किया जाएगा जब तक सरकार की ओर से संबंधित नीतिगत निर्णय एवं नियमित प्रशिक्षण व्यवस्था पूरी तरह बहाल नहीं हो जाती। उन्होंने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की कि वे अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए समय पर प्रशिक्षण प्राप्त करें और अपने कौशल का विकास करें, ताकि रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें।



संपादकीय

सरकार का जोर व्यवस्था को सुधारने पर कम और दावों पर ज्यादा रहता है। यह बात भी छिपी नहीं है कि दिल्ली में जलभराव की समस्या पर सियासत भी खूब होती है।दिल्ली की एक प्रमुख सड़क पर भारी बारिश के बाद घुटनों तक जलभराव है। सड़क पर कारें, बसें, ऑटो-रिक्शा और मोटरसाइकिलें ट्रैफिक में फंसी हैं, जबकि एक व्यक्ति छत्ता लेकर पानी के बीच से गुजर रहा है। पृष्ठभूमि में आधुनिक इमारतें, ओवरपास, घने काले

बादल और बारिश के बीच चमकती इमरजेंसी लाइटें दिखाई दे रही हैं। दिल्ली में मूसलाधार बारिश के बाद जलभराव से प्रमुख सड़कें डूबीं। राजधानी की मानसूनी चुनौतियों को दर्शाते हुए घुटनों तक पानी में फंसे वाहन और आवागमन के लिए जूझते लोग। राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते अमूमन यह माना जाता है कि दिल्ली में समूची व्यवस्था अन्य शहरों के मुकाबले ज्यादा बेहतर होगी। सरकार और स्थानीय प्रशासन के दावों में भी यही झलकता

है, लेकिन चिंता की बात यह है कि जब हकीकत सामने आती है, तब भी उसमें सुधार सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहता है।इसका एक प्रमुख उदाहरण है बारिश के दिनों में दिल्ली की रफ्तार थम जाना। हर साल राजधानी के बाशिंदों को जलभराव और यातायात अवरुद्ध हो जाने की वजह से दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। दिल्ली में समग्र विकास के आधारसनों के साथ सत्ता परिवर्तन जरूर हुआ है, लेकिन समस्याओं का संजाल अभी भी

कमोबेश वैसा ही बना हुआ है।यही वजह है कि बीते गुरुवार को मानसून की पहली तेज बारिश में ही कई जगह सड़कें तालाब बन गईं, यातायात ठप हो गया और लोगों को घंटों परेशानी झेलनी पड़ी। सवाल है कि बरसात से पहले संबंधित महकमों की ओर से जिन पूर्व तैयारियों का भरोसा दिलाया जाता है, वे समय आने पर कहां गायब हो जाती हैं।कहने के राष्ट्रीय राजधानी में हर साल मानसून के आगमन से काफी पहले समस्याओं से निपटने

की औपचारिक तैयारी शुरू हो जाती है। इसके तहत मुख्य रूप से छोटे-बड़े नालों और सड़क किनारे जलनिकासी के लिए बनी नालियों की सफाई करनी होती है। मगर इन तैयारियों का अधिकांश कार्य कागजों तक ही सीमित रहता है। जाहिर है कि सरकार का जोर व्यवस्था को सुधारने पर कम और दावों पर ज्यादा रहता है। यह बात भी छिपी नहीं है कि दिल्ली में जलभराव की समस्या पर सियासत भी खूब होती है।

इस बार भी सत्ता पक्ष की ओर से दावा किया जा रहा है कि पिछली सरकार के कार्यकाल के मुकाबले जलभराव का संकट काफी कम हुआ है। वही, विपक्ष का कहना है कि दो-तीन चिह्नित स्थलों को छोड़कर बाकी जगह का हाल जस का तस बना हुआ है। ऐसे में जरूरी है कि सरकार तुलनात्मक सुधार का हवाला देकर अपनी पीठ थपथपाने के बजाय समस्या की गंभीरता पर ध्यान केंद्रित करे और

क्षेत्रीय सर्वेक्षणों में यह बात सामने आई है कि महुआ के पुराने पेड़ तो अब भी दिख जाते हैं, लेकिन नए पौधे लगभग नदारद हैं। अनेक क्षेत्रों में मौजूद ये परिण वृक्ष अपनी प्राकृतिक आयु के अंतिम चरणों में पहुंच चुके हैं, जबकि उनका प्राकृतिक पुनरुत्पादन सीमित रह गया है। कई बीजारोपण सफल नहीं हो पाते और लंबी शुष्क अवधियों, भूमि-विघटन, अत्यधिक चराई तथा मिट्टी के सख्त होने के कारण पौधे मुरझा जाते हैं। यहां तक कि फूल बीनने के दौरान साफ-सफाई के लिए लगाई गई मौसमी आग भी, यदि नियंत्रित न हो, तो बीजों के फैलाव और नए पौधों के स्थापित होने में बाधा बनती है। परिणामस्वरूप, पुराने महुआ वृक्ष तो अब भी घने छत्रों के साथ खड़े दिखाई देते हैं, लेकिन उनकी जगह लेने वाली नई पीढ़ी पर्याप्त संख्या में विकसित नहीं हो पा रही। महुआ एक कठोर प्रजाति का वृक्ष है, जो गर्मी और सूखे का सामना कर सकती है, लेकिन अब वर्षा में जो बदलाव आ रहे हैं, वे इस पर भारी पड़ रहे हैं। ग्रामीणों का अनुभव है कि महुआ के फूलों का मौसम अब पहले जैसा अनुमानित नहीं रहा।

जंगलों से गुम होती महुआ की विरासत, बदलती खेती और सड़क चौड़ीकरण ने बढ़ाई चिंता

(अदित्य कुमार यादव)

गर्मी की शुरुआत में जब खेतों में काम कम हो जाता है, तब महुआ के फूल आजीविका का सहारा बनते हैं। सुबह-सुबह कई महिलाएं और बुजुर्ग टोकरियां लेकर इन फूलों को बीनने निकलते हैं। मध्य भारत के जंगलों में पिछले कई वर्षों के अनुभव बताते हैं कि महुआ के वृक्ष धीरे-धीरे बदल रहे हैं, लेकिन यह बदलाव अक्सर आँकड़ों और दस्तावेजों से ओझल रह जाता है। वन से जुड़े विशेषज्ञ गाजीपुर, बलिया और जौनपुर जैसे जिलों में इसे बारीकी से महसूस करते रहे हैं। गांवों की अर्थव्यवस्था में महुआ सिर्फ एक वृक्ष नहीं, बल्कि एक जीवनरेखा है, खासकर उन परिवारों के लिए जो जंगलों पर निर्भर हैं।

गर्मी की शुरुआत में जब खेतों में काम कम हो जाता है, तब महुआ के फूल आजीविका का सहारा बनते हैं। सुबह-सुबह कई महिलाएं और बुजुर्ग टोकरियां लेकर इन फूलों को बीनने निकलते हैं। इसके बीजों से निकलने वाला तेल रसोई और औषधि का हिस्सा होता है, जबकि महुआ के पेड़ की घनी छांव पशुओं के लिए आराम की जगह बनाती है, लेकिन अब यह मौसमी दृश्य धीरे-धीरे कम होता दिख रहा है।

महुआ केवल एक वन वृक्ष नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और शुष्क वन पारिस्थितिकी का आधार है। इसके फूल भोजन, पेय और पशु चारे के रूप में उपयोग होते हैं, जबकि बीजों से निकला तेल खाद्य, औषधीय और घरेलू उपयोग में आता है। इसकी पत्तियां पारंपरिक पत्तल-दोने बनाने में काम आती हैं और घनी पत्तियां गर्मी में पशुओं तथा वन्यजीवों को छाया प्रदान करती हैं। कृषि के सुस्त मौसम में इसके फूल मधुमक्खियां जैसे परागणकों के लिए भी भोजन के महत्वपूर्ण स्रोत होते हैं।

महुआ की अहमियत केवल इसके प्रत्यक्ष उपयोगों तक सीमित नहीं है। यह शुष्क वनों की पारिस्थितिकी, स्थानीय जैव विविधता और वन-आधारित आजीविका का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अनेक आदिवासी और ग्रामीण समुदायों के लिए यह केवल आय का स्रोत नहीं, बल्कि सांस्कृतिक परंपराओं, स्थानीय ज्ञान और खाद्य सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ वृक्ष है। इसलिए महुआ का संरक्षण केवल एक प्रजाति को बचाने का प्रयास नहीं, बल्कि उससे जुड़े पूरे सामाजिक और पारिस्थितिकी तंत्र को



सुरक्षित रखने का सवाल है।

क्षेत्रीय सर्वेक्षणों में यह बात सामने आई है कि महुआ के पुराने पेड़ तो अब भी दिख जाते हैं, लेकिन नए पौधे लगभग नदारद हैं। अनेक क्षेत्रों में मौजूद ये परिपक्व वृक्ष अपनी प्राकृतिक आयु के अंतिम चरणों में पहुंच चुके हैं, जबकि उनका प्राकृतिक पुनरुत्पादन सीमित रह गया है। कई बीजारोपण सफल नहीं हो पाते और लंबी शुष्क अवधियों, भूमि-विघटन, अत्यधिक चराई तथा मिट्टी के सख्त होने के कारण पौधे मुरझा जाते हैं। यहां तक कि फूल बीनने के दौरान साफ-सफाई के लिए लगाई गई मौसमी आग भी, यदि नियंत्रित न हो, तो बीजों के फैलाव और नए पौधों के स्थापित होने में बाधा बनती है। परिणामस्वरूप, पुराने महुआ वृक्ष तो अब भी घने छत्रों के साथ खड़े दिखाई देते हैं, लेकिन उनकी जगह लेने वाली नई पीढ़ी पर्याप्त संख्या में विकसित नहीं हो पा रही।

महुआ एक कठोर प्रजाति का वृक्ष है, जो गर्मी और सूखे का सामना कर सकती है, लेकिन अब वर्षा में जो बदलाव आ रहे हैं, वे इस पर भारी पड़ रहे हैं। ग्रामीणों का अनुभव है कि महुआ के फूलों का मौसम अब पहले जैसा अनुमानित नहीं रहा। देरी से पड़ने वाली सर्दियों की बारिश और लंबी सूखा अवधियों ने फूलों को या तो कम कर दिया है या फिर उनके खिलने का समय ही बदल गया है। नतीजतन, फूल बीनने वाले परिवारों के लिए यह मौसम पहले जितना भरोसेमंद नहीं रह गया है।

यह दबाव केवल जंगलों तक सीमित नहीं है। 'नेचर सस्टेनेबिलिटी' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, भारत के कृषि परिदृश्यों में बिखरे हुए बड़े पेड़ों में गिरावट दर्ज की गई है। अध्ययन में पाया गया कि वर्ष 2010-11 में मौजूद बड़े कृषि-वृक्षों में लगभग 11.2 प्रतिशत वृक्ष 2018 तक गायब हो चुके थे। इसके बाद 2018 से 2022 के बीच 50 लाख से अधिक बड़े वृक्ष और लुप्त हो गए। इसे शोधकर्ताओं ने बदलती कृषि पद्धतियों से जोड़कर देखा है। ग्रामीण विकास के तहत सड़कों के चौड़ीकरण के दौरान महुआ के सैकड़ों पुराने पेड़ उखाड़ दिए गए, जो दशकों से ग्रामीण सड़कों की शोभा बढ़ा रहे थे।

इससे भी चिंताजनक सांस्कृतिक अंतराल है। एक समय था जब गांव के चौपालों, चरागाहों और खेतों की मेड़ों पर महुआ के पेड़ दिखाई देते थे। इसकी पत्तियों से पत्तल बनाई जाती थी, जो सामुदायिक भोज और शादियों का अभिन्न हिस्सा थीं। मगर अब प्लास्टिक की प्लेटों ने पत्तलों की जगह ले ली है, जिससे एक ओर आजीविका प्रभावित हुई है, तो दूसरी ओर महुआ की सांस्कृतिक पहचान भी फीकी पड़ गई है। बुजुर्ग अब भी याद करते हैं कि कैसे एक पीढ़ी पहले खेतों के किनारे महुआ के वृक्षों की कतारें होती थीं, जो अब नजर नहीं आतीं।

कुछ राज्यों में संगठित खरीद और मूल्य-वर्धन योजनाओं से महुआ संग्रह करने वालों को लाभ तो हुआ है, लेकिन प्रसंस्करण और

बाजार तक सीमित पहुंच के कारण इसकी आर्थिक क्षमता का पूरा लाभ स्थानीय समुदायों तक नहीं पहुंच पाया है। क्षेत्रीय अनुभव बताते हैं कि बहुत से सरल उपाय महुआ के संरक्षण में मदद कर सकते हैं। उन क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण, जहां यह प्रजाति आम है, साथ ही पेड़ों की आयु संरचना और बीजों की जीवित रहने की दर पर नजर रखना आवश्यक है। गांव के स्तर पर फूल बीनने के मौसम में जमीन पर आग लगाने पर नियंत्रण जरूरी है। इससे विशेष रूप से मानसून के शुरुआती महीनों में, जब नए पौधे निकलते हैं, तब इनके जीवित रहने की दर में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है।

सबसे अहम है सामुदायिक भागीदारी। जब लोगों को समझाया जाता है कि पौधों की रक्षा करना क्यों जरूरी है, तो वे इसे अपना लेते हैं। लेकिन दुर्भाग्य से आज के पौधरोपण अभियानों में अक्सर तेजी से बढ़ने वाली या फल देने वाली प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाती है। महुआ के पौधे शायद ही मांगे जाते हैं, जिससे स्थानीय नर्सरियों में इनकी उपलब्धता न के बराबर हो जाती है। दो मत नहीं कि सरकारी नर्सरियों में महुआ को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। महुआ के क्षरण के पीछे कोई एक कारण जिम्मेदार नहीं है। जलवायु परिवर्तन से फूल आने के समय में बदलाव, अत्यधिक चराई, अनियंत्रित मौसमी आग, भूमि-विघटन, सड़क चौड़ीकरण, कृषि पद्धतियों में परिवर्तन तथा महुआ पौधों के सीमित रोपण जैसे अनेक कारक मिलकर इसकी नई पीढ़ी को कमजोर कर रहे हैं। सहलग्न प्राकृतिक पुनरुद्धार, क्षीण हिस्सों में संवर्धन रोपण और कृषि-वानिकी प्रणालियों में महुआ को शामिल करने से मौजूदा पेड़ों पर दबाव कम किया जा सकता है। उत्तर प्रदेश में सौ वर्ष से अधिक पुराने विरासत वृक्षों के रखरखाव की जो पहल शुरू हुई है, वह वास्तव में महुआ संरक्षण के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है। पारिस्थितिकीय गिरावट कभी नाटकीय रूप से नहीं होती। पेड़ अचानक नहीं मिटते। वे धीरे-धीरे ढल जाते हैं, जब उनकी अगली पीढ़ी लड़खड़ाने लगती है। इसलिए महिषा के भविष्य की सुरक्षा न केवल एक पारिस्थितिकीय चुनौती है, बल्कि आजीविका का सवाल भी है। यदि समय रहते निगरानी, सामुदायिक सहयोग और संस्थागत समर्थन मिल जाए, तो यह अनमोल वृक्ष भारत के सूखे जंगलों में फिर से पनप सकता है।

3 देशों से भारत के लिए आखिर क्या लाए मोदी?

(नीरज कुमार दुबे)

मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा इसलिए भी खास रही क्योंकि करीब 40 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने वहां की आधिकारिक यात्रा की। प्रधानमंत्री मोदी का पारंपरिक माओरी रीति से स्वागत किया गया और उसके बाद न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ लंबी बातचीत हुई। करीब एक सप्ताह के विदेश दौरे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब स्वदेश लौट रहे हैं तो ऐसा नहीं लगता कि वह केवल तीन देशों की यात्रा पूरी करके लौटे हैं, बल्कि ऐसा लगता है कि वह दुनिया के सामने नए भारत की ताकत, उसकी बढ़ती हैसियत और उसके उज्ज्वल भविष्य का दमदार परिचय देकर लौटे हैं। हम आपको बता दें कि इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा के दौरान मोदी ने तीनों देशों के साथ रक्षा, व्यापार, शिक्षा, ऊर्जा, तकनीक और समुद्री सुरक्षा जैसे कई अहम समझौते किए। साथ ही उन्होंने दुनिया को यह भी बताया कि आज का भारत सिर्फ बातों से नहीं, बल्कि अपनी मिसाइलों की ताकत, आधुनिक तकनीक, मजबूत अर्थव्यवस्था और विकसित भारत के संकल्प के दम पर नई ऊंचाइयों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। साथ ही तीनों देशों में प्रधानमंत्री का जिस गर्मजोशी और भव्य अंदाज में स्वागत हुआ, उसने भारत की बढ़ती साख की साफ तस्वीर पेश की। इतना ही नहीं, जब मोदी ने वहां बसे भारतीय समुदाय को संबोधित किया तो वहां के शीर्ष नेताओं ने भी उनकी लोकप्रियता और भारतीयों के उत्साह को करीब से देखा। इससे एक बार फिर साफ हो गया कि मोदी की पहचान अब केवल भारत के प्रधानमंत्री तक सीमित नहीं

है, बल्कि दुनिया के प्रभावशाली नेताओं में उनकी छवि लगातार और मजबूत होती जा रही है।

न्यूजीलैंड – सबसे पहले बात न्यूजीलैंड की। यह यात्रा इसलिए भी खास रही क्योंकि करीब 40 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने वहां की आधिकारिक यात्रा की। प्रधानमंत्री मोदी का पारंपरिक माओरी रीति से स्वागत किया गया और उसके बाद न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ लंबी बातचीत हुई। इस मुलाकात का सबसे बड़ा फैसला दोनों देशों के रिशतों को नई रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाना रहा। इसके साथ ही वर्ष 2030 तक दोनों देशों के बीच कारोबार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया। दोनों पक्षों ने मुक्त व्यापार समझौते को जल्द लागू करने पर भी सहमत जताई ताकि दोनों देशों के व्यापारियों और उद्योगों को सीधा लाभ मिल सके।

न्यूजीलैंड यात्रा के दौरान रक्षा और समुद्री सुरक्षा पर कई बड़े कदम उठाए गए। दोनों देशों की नौसेनाएं अब जरूरत पड़ने पर एक दूसरे की रसद सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकेंगी। समुद्र से जुड़ी जानकारीयें साझा होंगी, संयुक्त अभ्यास बढ़ेंगे और समुद्री सुरक्षा पर हर साल नियमित बातचीत होगी। आतंकवाद के खिलाफ साझा कार्य समूह बनाने का भी फैसला हुआ जिससे दोनों देश जानकारी साझा कर आतंक के खिलाफ मिलकर काम करेंगे। इसके अलावा भूकंप, सुनामी और दूसरी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन में सहयोग बढ़ेगा। डेयरी और पशुपालन के क्षेत्र में न्यूजीलैंड की आधुनिक तकनीक भारत तक पहुंचेगी। पर्यटन,

खेल, संस्कृति, समुद्री विरासत, खाद्य तकनीक और समुद्री अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भी कई समझौते हुए। नागालैंड और उत्तराखंड में कीवी फल के लिए दो उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाएंगे ताकि किसानों को बेहतर तकनीक और अधिक उत्पादन का लाभ मिल सके। न्यूजीलैंड ने वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन में शामिल होने का भी फैसला किया। अंटार्कटिका अनुसंधान, खाद्य तकनीक और शिक्षा के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच नए सहयोग का रास्ता खुला है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए न्यूजीलैंड ने अपना समर्थन दोहराया और आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर भी दोनों देश एकमत दिखाई दिए।

आस्ट्रेलिया – अब बात ऑस्ट्रेलिया की। मेलबर्न में हुई वार्षिक शिखर बैठक के दौरान दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा सहयोग को नई मजबूती दी। नई संयुक्त रक्षा घोषणा के तहत सेना, नौसेना और वायुसेना के बीच तालमेल बढ़ाने, समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद से मुकाबला, नई तकनीक और समुद्री कानूनों के पालन पर साथ काम करने का फैसला हुआ। समुद्री सुरक्षा के लिए अलग कार्ययोजना बनी और दोनों देशों के तटरक्षक बलों के बीच भी नया समझौता हुआ।ऊर्जा के क्षेत्र में दोनों देशों ने साथ मिलकर काम करने का भरोसा दोहराया। लंबे समय से लंबित असेन्य परमाणु समझौते को पूरी तरह लागू करने का रास्ता साफ हुआ, जिससे भारत को ऑस्ट्रेलिया से यूरेनियम की आपूर्ति आसान होगी। नई तकनीक, साइबर सुरक्षा और जरूरी आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए भी नई साझेदारी बनी।शिक्षा और कौशल विकास में भी

कई महत्वपूर्ण फैसले हुए। खनन क्षेत्र के लिए भुवनेश्वर में उत्कृष्टता केंद्र बनेगा। ऑस्ट्रेलिया के दो प्रमुख विश्वविद्यालय भारत में अपने परिसर खोलेंगे जिससे भारतीय छात्रों को विदेश जाए बिना बेहतर शिक्षा का अवसर मिलेगा। दोनों देशों के कौशल प्रशिक्षण संस्थानों के बीच भी सहयोग बढ़ेगा। इस यात्रा की एक खास उपलब्धि भारत की प्राचीन धरोहरों की वापसी भी रही। नंदी, भगवान कार्तिकेय और मां काली से जुड़ी तीन दुर्लभ प्राचीन मूर्तियां ऑस्ट्रेलिया ने भारत को लौटाने का फैसला किया। इसके अलावा सौर ऊर्जा, विज्ञान, फिल्म निर्माण, पारंपरिक ज्ञान, खनिज खोज और औषधि अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भी कई नए समझौते हुए।

इंडोनेशिया – प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे की शुरुआत इंडोनेशिया से हुई जहां दोनों देशों ने अपने पुराने रिशतों को और मजबूत बनाने का फैसला किया। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के बीच हुई बातचीत में रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, स्वास्थ्य, कृषि, विज्ञान, अंतरिक्ष, ऊर्जा, शिक्षा और संस्कृति जैसे लगभग हर क्षेत्र पर विस्तार से चर्चा हुई। सबसे बड़ी बात यह रही कि दोनों देशों ने रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई देने का फैसला किया।

ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली और हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों पर सहयोग बढ़ेगा। समुद्री सुरक्षा, संयुक्त अभ्यास, तटरक्षक बलों के बीच तालमेल और जहाज निर्माण में भी साथ काम होगा। भारत और इंडोनेशिया आतंकवाद के खिलाफ भी मिलकर काम करेंगे और नई तकनीक का गलत इस्तेमाल रोकने पर भी सहयोग बढ़ेगा। व्यापार बढ़ाने, दुर्लभ खनिजों की

आपूर्ति मजबूत करने, इस्पात उद्योग में संयुक्त निवेश करने और दोनों देशों की मुद्राओं में लेन-देन बढ़ाने पर भी सहमति बनी। स्वास्थ्य क्षेत्र में दवाइयों के मानकों, चिकित्सा कर्मचारियों के प्रशिक्षण और खाद्य सुरक्षा पर समझौते हुए। कृषि, उर्वरक, ऊर्जा, दूरसंचार, विज्ञान, अंतरिक्ष अनुसंधान और आपदा प्रबंधन में भी नए समझौते हुए।

दोनों देशों ने समुद्री और हवाई संपर्क बढ़ाने, सबांग बंदरगाह के विकास में सहयोग, डिजिटल भुगतान व्यवस्था को मजबूत करने और छोटे कारोबारियों को डिजिटल बाजार से जोड़ने की दिशा में भी कदम बढ़ाया। साथ ही सांस्कृतिक रिशतों को मजबूत करने के लिए प्रंबानन मंदिर के संरक्षण कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा और दोनों देशों ने अगले दो वर्षों को गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर और श्री मजबूत बनाने का फैसला किया। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी का यह तीन देशों का दौरा कई मायनों में सफल माना जा सकता है। न्यूजीलैंड के साथ ऐतिहासिक नई साझेदारी बनी, ऑस्ट्रेलिया के साथ रक्षा, शिक्षा और ऊर्जा संबंधों को नई मजबूती मिली, जबकि इंडोनेशिया के साथ समुद्री सुरक्षा, व्यापार और तकनीक के क्षेत्र में सहयोग का नया रास्ता खुला। इन समझौतों का असर आने वाले वर्षों में भारत की सुरक्षा, व्यापार, शिक्षा, कृषि, ऊर्जा और रोजगार जैसे कई क्षेत्रों में दिखाई दे सकता है। यही वजह है कि इस पूरे दौरे को भारत की विदेश नीति के लिए एक मजबूत और दूरगामी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

चुनाव पाठशाला 14 को बोकारो-भुवनेश्वर रूट पर चलेंगी 5 स्पेशल ट्रेनें

एसआइआर को प्रभावी एवं त्रुटिरहित बनाने पर बल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
बोकारो। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 कार्यक्रम के तहत निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार 14 जुलाई 2026 (मंगलवार) को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ एवं मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए-2 की द्वितीय बैठक आयोजित की जाएगी। इसी अवसर पर चुनाव पाठशाला का भी आयोजन होगा।

बैठक में प्रारूप एएसडीडी सूची को बीएलए-2 के साथ साझा करते हुए उसका सत्यापन एवं आवश्यक बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही अनमैड मतदाताओं से संबंधित मामलों की भी समीक्षा की जाएगी, ताकि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को प्रभावी एवं त्रुटिरहित बनाया जा सके। बैठक में आम मतदाताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं, पूर्व

निर्वाचन अधिकताओं एवं अन्य राजनीतिक प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाएगा, जिससे मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित हो सके। हालांकि, बैठक में किसी भी गैर-भारतीय व्यक्ति को शामिल नहीं किया जाएगा।

निर्वाचन विभाग ने सभी संबंधित बीएलओ को निर्देश दिया है कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर बैठक एवं चुनाव पाठशाला का सफल आयोजन सुनिश्चित करें। विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत यह बैठक मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होगी।

इस बाबत जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने सभी ईआरओ एवं एईआरओ को जरूरी दिशा-निर्देश दिया।

एसडीएम नेमतदान केंद्रों का किया निरीक्षण



नवबिहार टाइम्स संवाददाता
धनबाद। धनबाद विधानसभा के निर्वाचक निर्बंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारगे ने आज जिला स्कूल में स्थित सभी मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर चल रहे ईएफ डिस्ट्रीब्यूशन तथा डिजिटाइजेशन कार्य की प्रगति का जायजा लिया। मतदान केंद्रों पर चल रहे फॉर्म्स के डिस्ट्रीब्यूशन और

उनके मिलान की बारीकी से जांच की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिला स्कूल परिसर में उपस्थित सभी संबंधित अधिकारियों, बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर को स्पष्ट निर्देश दिया कि मतदाता सूची के सुदृढ़ीकरण और डिजिटाइजेशन के कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ में निर्धारित समय-सीमा के भीतर शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा करने का निर्देश दिया।

ब्राउन शुगर के साथ तीन तस्कर चढ़े पुलिस के हत्थे

मोबाइल व मोटर साइकिल जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
गिद्धौर। गिद्धौर थाना पुलिस ने नशा कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन युवकों कथित ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों के पास से कुल 25.67 ग्राम ब्राउन शुगर जैसा पदार्थ, एक आईफोन-13 मोबाइल तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की है। गिरफ्तार आरोपितों में चौपारण थाना क्षेत्र के ताजपुर निवासी सुरेश प्रसाद केशरी के पुत्र 19 वर्षीय शुभम कुमार, रंजीत साव के पुत्र 22 वर्षीय रोशन कुमार तथा बिहार के गया जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र के मरसोधा निवासी रामोतार सिंह के पुत्र 20 वर्षीय सुमित कुमार शामिल हैं। वहीं पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में छापेमारी कर रही है। इसकी जानकारी देते हुए सिमरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नारागोजे शुभम भाउसाहब ने



बताया कि शनिवार को पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी को गुप्त सूचना मिली थी कि गिद्धौर थाना क्षेत्र के पेक्सा-गिद्धौर मुख्य मार्ग से तीन युवक अवैध ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री कर चौपारण की ओर जाने वाले हैं। सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिमरिया शुभम भऊसाहब के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल ने पीराटांड के समीप पेक्सा-गिद्धौर मुख्य मार्ग पर

पुलिस खंगाल रही आपराधिक रिकार्ड

वाहन जांच अभियान चलाया। इस दौरान तीन युवकों को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में उनके पास से अलग-अलग पैकेटों में रखे कुल 25.67 ग्राम ब्राउन शुगर जैसा पदार्थ बरामद हुआ। इसके अलावा एक सफेद रंग का आईफोन-13 मोबाइल तथा काले रंग की होंडा शाइन मोटरसाइकिल (डीएल9एससीई 1930) भी जब्त की गई। पुलिस ने तीनों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 17(बी), 21(बी), 22(बी), 27(ए), 28 एवं 29 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

पूछताछ के आधार पर पुलिस मादक पदार्थ तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है तथा नशा कारोबार में सलिलप्त अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

रोटरी क्लब ऑफ धनबाद ने छापेमारी में नकली शराब मनाया 80वां चेंज ओवर डे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
धनबाद। सेवा और मानवता के क्षेत्र में अग्रणी रोटरी क्लब ऑफ धनबाद ने 80वें चेंज ओवर डे और डिस्ट्रिक्ट 3250 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अभिनंदन समारोह का भव्य आयोजन किया। वेडलॉक ग्रीन होटल्स एंड रिसॉर्ट्स में आयोजित इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में 500 से अधिक रोटेरियन और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लेकर क्लब की सेवा यात्रा में एक नया मील का पत्थर जोड़ा। समारोह के मुख्य अतिथि रोटरी इंटरनेशनल सत्र 2026-27 के वाइस प्रेसिडेंट आरटीएन. एकेएस ईंजि. मुरुगनंदनम एम.ए.थे। तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु के प्रतिष्ठित उद्यमी और प्रसिद्ध परोपकारी मुरुगनंदनम की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250



की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर आरटीएन. अनु नारंग* का भी पूरे आदर के साथ विशेष अभिनंदन किया गया। बिहार-झारखंड के 65 क्लबों की पदाधिकारियों और

सदस्यों ने दोनों अतिथियों को बुके और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। बिहार-झारखंड के 65 क्लबों की सहभागिता रोटरी

डिस्ट्रिक्ट 3250 के अंतर्गत आने वाले 7बिहार और झारखंड राज्यों के 65 से अधिक रोटरी क्लबों के सक्रिय सदस्यों ने इस अभिनंदन

समारोह में हिस्सा लिया। सभी ने एकजुटता और हर्सविस एबव सेल्फर की भावना का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही रोटरी क्लब ऑफ धनबाद के नव-निर्वाचित बोर्ड के सम्मानित सदस्यों का भी परिचय कराकर उन्हें पद की शपथ दिलाई गई। सभी पदाधिकारियों ने हर्सविस एबव सेल्फर के मूल संकल्प के साथ समाज सेवा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने का दृढ़ संकल्प लिया। नए अध्यक्ष कनव दत्त बाली ने कहा कि ह्रहम क्लब की 80 वर्षों की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में बड़े प्रोजेक्ट शुरू करेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों और सदस्यों ने रोटरी के सेवा संकल्प को आम्र मजबूत करने का आह्वान किया।

समारोह में हिस्सा लिया। सभी ने एकजुटता और हर्सविस एबव सेल्फर की भावना का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही रोटरी क्लब ऑफ धनबाद के नव-निर्वाचित बोर्ड के सम्मानित सदस्यों का भी परिचय कराकर उन्हें पद की शपथ दिलाई गई। सभी पदाधिकारियों ने हर्सविस एबव सेल्फर के मूल संकल्प के साथ समाज सेवा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने का दृढ़ संकल्प लिया। नए अध्यक्ष कनव दत्त बाली ने कहा कि ह्रहम क्लब की 80 वर्षों की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में बड़े प्रोजेक्ट शुरू करेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों और सदस्यों ने रोटरी के सेवा संकल्प को आम्र मजबूत करने का आह्वान किया।

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
गिरिडीह। जिले के बेंगाबाद थाना क्षेत्र के घाघरा गांव के अंतिम छोर पर स्थित जंगल में एक बड़े भूखंड पर चारदीवारी के अंदर टीन का शेड बनाकर संचालित किया जा रहा अवैध नकली विदेशी शराब प्लांट का खुलासा किया गया। यह खुलासा उत्पाद अधीक्षक शिवकुमार साहू के नेतृत्व में बेंगाबाद पुलिस के सहयोग से शनिवार की रात को छापेमारी में हुआ। मौके पर से अवैध रूप से निर्मित करीब 50 लाख रुपये अनुमानित कीमत की 350 पेटी नकली विदेशी शराब जब्त की गई, जबकि शराब बनाने में इस्तेमाल की जाने वाली स्पिट समेत अन्य सामग्री के अलावा निर्मित शराब को खपाने व शराब बनाने वाली सामग्री को लाने में इस्तेमाल किए जाने वाले दो वाहन को भी जब्त किया गया है।

इस मामले में परिसर के मालिक, अवैध नकली शराब प्लांट के संचालक, शराब कारोबारी व वाहन मालिकों पर प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई उत्पाद विभाग में की जा रही है। यह जानकारी रविवार को अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेसवार्ता में उत्पाद अधीक्षक शिवप्रसाद साहू ने दी। बताया कि शराब के निर्देश पर यह छापेमारी अभियान चलाया गया। अवैध नकली विदेशी शराब प्लांट का खुलासा करते हुए निर्मित शराब व शराब बनाने वाली सामग्री बरामद की गई है और प्राथमिकी दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि

छापेमारी की भनक लगते ही कारोबारी समेत वाहन के संचालक मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, यहां निर्मित नकली विदेशी शराब की खेप को जंगल के रास्ते आसानी से बिहार में खपाई जाती थी। इस धंधे को किसके द्वारा संचालित किया जा रहा था, उसका पता लगाया जा रहा है जबकि कैप्स किसका है, इसे लेकर सीओ से जानकारी ली जा रही है। प्रेसवार्ता में रविवरजन समेत अन्य मौजूद थे।

नकली शराब निर्माण प्लांट से छापेमारी टीम ने रॉयल स्टेग, आइकोनिक व रायल चैलेंज व्हिस्की की 350 पेटी निर्मित सीलबंद शराब, ड्रम व पानी की टंकी में भरा 4000 लीटर कच्चा स्पिट, 55 रोल रायल स्टेग व रायल चैलेंज का लेबल, 25000 ढक्कन, 20 रोल नकली होलोग्राम, शराब पैकिंग को रखा गया 60 बोरा खाली बोतल, 1000 पीस कार्टून , 20 लीटर कैमेल, महिंद्रा पिकअप वैन एक, एसई पिकअप वैन एक समेत प्लास्टिक का जार, पानी वाला जार, नल लगा हुआ स्टील का ड्रम, प्लास्टिक का ड्रम, पानी की टंकी, बार्टी, पाइप समेत शराब बनाने व खपाने में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री शामिल है।

अवैध शराब कारोबारियों ने जमीन के अंदर पानी की तीन बड़ी टंकी गाड़ रखी था। टंकी कैप के अंदर चारदीवारी से सटाकर रखी गई थी, ताकि स्पिट लेकर आने वाले वाहन को चारदीवारी के पास सटाकर इन टंकियों में स्पिट को खाली किया जा सके।



शालीमार-पुरी-शालीमार का संचालन 15 एवं 23 जुलाई 2026 को शालीमार से शाम 6 बजे किया जाएगा, जो अगले दिन सुबह 6 बजे पुरी पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 17 एवं 25 जुलाई को रात 12:30 बजे पुरी से रवाना होकर दोपहर 1:30 बजे शालीमार पहुंचेगी। यह ट्रेन संतरागाछी, मेचंदा, खड़गपुर, बेलदा, दान्त, जलेश्वर, बस्ता, रुपसा, बालेश्वर और सोरो स्टेशनों पर रुकेगी।

इसी प्रकार 08331/08332 रथ यात्रा स्पेशल ट्रेन 15 एवं 23 जुलाई को शाम 7:40 बजे राउरकेला से रवाना होकर अगले दिन सुबह 9:45 बजे पुरी पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 17 एवं 25 जुलाई को सुबह 3 बजे पुरी से चलकर दोपहर 3:55 बजे राउरकेला पहुंचेगी। इसके ठहराव राजगंगपुर, गरपोस, बामरा, बागडीही और झारसगुड़ा स्टेशनों पर रुकेगी।

पर होंगे।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 08569/08570 बड़ामपहाड़-पुरी-बड़ामपहाड़ मेमू रथ यात्रा स्पेशल भी चलाई जाएगी। यह ट्रेन 15 एवं 23 जुलाई को सुबह 9 बजे बड़ामपहाड़ से रवाना होकर रात 10:45 बजे पुरी पहुंचेगी, जबकि वापसी में 17 एवं 25 जुलाई को रात 12:45 बजे पुरी से चलकर दोपहर 1:45 बजे बड़ामपहाड़ पहुंचेगी।

ट्रेन का ठहराव कुलडीहा, रायरंगपुर, टाटानगर, गम्हरिया, सिनी, राजखरसावां, चाईबासा, डोंगोआपोसी, बांसपानी सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर होगा। इसके अलावा 08563/08564 बांगरीपोसी-पुरी-बांगरीपोसी मेमू रथ यात्रा स्पेशल का संचालन 15, 23 एवं 24 जुलाई को दोपहर 2:30 बजे बांगरीपोसी से किया जाएगा, जो अगले दिन तड़के 3 बजे पुरी पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 17, 25 एवं 26 जुलाई को रात 1:15 बजे पुरी से रवाना होकर दोपहर 1:30 बजे बांगरीपोसी पहुंचेगी। यह ट्रेन सहित अनेक स्टेशनों पर ठहरेंगी। वहीं, 08567/08568 बारबिल-पुरी-बारबिल रथ यात्रा स्पेशल 15 एवं 23 जुलाई को सुबह 7:35 बजे बारबिल से रवाना होकर उसी दिन शाम 5:30 बजे पुरी पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 16 एवं 24 जुलाई को शाम 7:35 बजे पुरी से चलकर अगले दिन सुबह 7 बजे बारबिल पहुंचेगी।

इसके ठहराव बड़ाजामदा, नोआमुंडी, डोंगोआपोसी, बांसपानी और जारोली सहित अन्य स्टेशनों पर होंगे। गौरतलब है कि बोकारो से भुवनेश्वर के बीच पहले से पुरुषोत्तम एक्सप्रेस, नीलांचल एक्सप्रेस, गरीब रथ एक्सप्रेस और अन्य नियमित ट्रेनें संचालित हैं। अब रथ यात्रा के दौरान अतिरिक्त विशेष ट्रेनें के संचालन से यात्रियों को कन्फर्म सीट मिलने की संभावना बढ़ेगी और पुरी जाने वाले श्रद्धालुओं को काफी राहत मिलेगी।

धनबाद में डेंगू का बढ़ते प्रकोप से लोग भयभीत

- ☐ डेंगू को लेकर तैयारी अधूरी
- ☐ 22 जगह पर मिले डेंगू के लार्वा



नवबिहार टाइम्स संवाददाता
धनबाद। जुलाई के आगमन के साथ ही धनबाद में डेंगू का कहर भी शुरू हो गया है। एसएसएनएमएमसीएच में भर्ती लेबर आफिस, बरटांड के रहने वाले 32 वर्षीय संतोष कुमार डेंगू संक्रमित पाए गए हैं। मरीज का इलाज अस्पताल में चल रहा है। सोमवार को यहां मेडिकल टीम जाकर मरीज की स्थिति का जायजा लेगी। दूसरी ओर, हाल में ही सदर अस्पताल के एक वरीय चिकित्सक व धनबाद सदर पीएचसी की प्रभारी डा. अनिता चौधरी डेंगू से संक्रमित पाए। फिलहाल दोनों की स्थिति ठीक है। प्रत्येक वर्ष जुलाई को स्वास्थ्य विभाग डेंगू रोधी दिवस के रूप में मनाता है। इस वर्ष भी जुलाई की शुरुआत होते ही विभिन्न जगहों पर डेंगू के मामले मिलने लगे हैं। विभिन्न जगहों पर कंटेनर सर्वे चलाए जा रहे हैं। कंटेनर सर्वे में घर के आसपास जमा पानी को नष्ट किया जा रहा है। बर्तन और दूसरे पात्रों में रखें पानी को हटाया जा रहा है। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जिले में 22 ऐसी जगह की पहचान की है, जहां पर काफी

संख्या में डेंगू के लार्वा मिले हैं। आने वाले समय में इन इलाकों में डेंगू के मच्छर सबसे ज्यादा पर पनपने की आशंका है। ऐसे में इन इलाकों में ब्लीचिंग का छिड़काव और लोगों को जागरूक किया जा रहा है। बरसात आते ही डेंगू के मामले मिलने लगे हैं, तो दूसरी ओर अभी तक एसएसएनएमएमसीएच की ओर से डेंगू के इलाज के लिए पुख्ता तैयारी नहीं की गई है। एसएसएनएमएमसीएच में आइसोलेशन वार्ड अभी तक तैयार नहीं किया जा सका है। ऐसे में यहां आने वाले मरीजों को सामान्य मरीजों के साथ रखा जा रहा है। हालांकि एसएसएनएमएमसीएच और सदर अस्पताल में डेंगू जांच के लिए व्यवस्था की गई है। लेकिन वार्ड में भर्ती कर इलाज की कोई व्यवस्था नहीं है। डेंगू को लेकर झरिया, सिसवा, धनसार, कतराया को काफी संवेदनशील माना जाता है। सिजुआ और इसके आसपास के इलाकों में प्रत्येक वर्ष डेंगू के मामले सामने आते हैं। हालांकि इन इलाकों में डेंगू रोधी माह को लेकर विभाग की ओर से जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं।

पारिवारिक विवाद लिया हिंसक रूप
गढ़वा। मेराल थाना क्षेत्र के लखैया गांव में पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। सौतेले बेटे, उसकी मामी और निहाल पक्ष की महिलाओं पर मिलकर एक महिला की पिटाई कर दिया। मारपीट में घायल शिवशंकर चौधरी की पत्नी सविता देवी का इलाज गढ़वा सदर अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार, शिवशंकर चौधरी की पहली पत्नी की मौत के बाद सविता देवी से दूसरी शादी हुई थी। पहली पत्नी से उसकी तीन संतान हैं। बड़ा बेटा रितेश कुमार और छोटी बेटी अपनी मौसी के घर जाहरसरई गांव में रहते हैं, जबकि एक बेटी सविता देवी के साथ लखैया गांव में रहती है।

छापेमारी में नकली शराब फैक्टरी का उद्भेदन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
गिरिडीह। जिले के बेंगाबाद थाना क्षेत्र के घाघरा गांव के अंतिम छोर पर स्थित जंगल में एक बड़े भूखंड पर चारदीवारी के अंदर टीन का शेड बनाकर संचालित किया जा रहा अवैध नकली विदेशी शराब प्लांट का खुलासा किया गया। यह खुलासा उत्पाद अधीक्षक शिवकुमार साहू के नेतृत्व में बेंगाबाद पुलिस के सहयोग से शनिवार की रात को छापेमारी में हुआ। मौके पर से अवैध रूप से निर्मित करीब 50 लाख रुपये अनुमानित कीमत की 350 पेटी नकली विदेशी शराब जब्त की गई, जबकि शराब बनाने में इस्तेमाल की जाने वाली स्पिट समेत अन्य सामग्री के अलावा निर्मित शराब को खपाने व शराब बनाने वाली सामग्री को लाने में इस्तेमाल किए जाने वाले दो वाहन को भी जब्त किया गया है।

इस मामले में परिसर के मालिक, अवैध नकली शराब प्लांट के संचालक, शराब कारोबारी व वाहन मालिकों पर प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई उत्पाद विभाग में की जा रही है। यह जानकारी रविवार को अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेसवार्ता में उत्पाद अधीक्षक शिवप्रसाद साहू ने दी। बताया कि शराब के निर्देश पर यह छापेमारी अभियान चलाया गया। अवैध नकली विदेशी शराब प्लांट का खुलासा करते हुए निर्मित शराब व शराब बनाने वाली सामग्री बरामद की गई है और प्राथमिकी दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि

छापेमारी की भनक लगते ही कारोबारी समेत वाहन के संचालक मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, यहां निर्मित नकली विदेशी शराब की खेप को जंगल के रास्ते आसानी से बिहार में खपाई जाती थी। इस धंधे को किसके द्वारा संचालित किया जा रहा था, उसका पता लगाया जा रहा है जबकि कैप्स किसका है, इसे लेकर सीओ से जानकारी ली जा रही है। प्रेसवार्ता में रविवरजन समेत अन्य मौजूद थे।

नकली शराब निर्माण प्लांट से छापेमारी टीम ने रॉयल स्टेग, आइकोनिक व रायल चैलेंज व्हिस्की की 350 पेटी निर्मित सीलबंद शराब, ड्रम व पानी की टंकी में भरा 4000 लीटर कच्चा स्पिट, 55 रोल रायल स्टेग व रायल चैलेंज का लेबल, 25000 ढक्कन, 20 रोल नकली होलोग्राम, शराब पैकिंग को रखा गया 60 बोरा खाली बोतल, 1000 पीस कार्टून , 20 लीटर कैमेल, महिंद्रा पिकअप वैन एक, एसई पिकअप वैन एक समेत प्लास्टिक का जार, पानी वाला जार, नल लगा हुआ स्टील का ड्रम, प्लास्टिक का ड्रम, पानी की टंकी, बार्टी, पाइप समेत शराब बनाने व खपाने में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री शामिल है।

अवैध शराब कारोबारियों ने जमीन के अंदर पानी की तीन बड़ी टंकी गाड़ रखी था। टंकी कैप के अंदर चारदीवारी से सटाकर रखी गई थी, ताकि स्पिट लेकर आने वाले वाहन को चारदीवारी के पास सटाकर इन टंकियों में स्पिट को खाली किया जा सके।

सेबी की मंजूरी से पहले चर्चा में आया आईपीओ, ऋतिक रोशन का है बड़ा दांव

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीओ मार्केट में जल्द ही फिटनेस और एक्टिव लाइफस्टाइल प्लेटफॉर्म की एंट्री होने वाली है। इस कंपनी ने आईपीओ के जरिए फंड जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास शुरुआती कागजात दाखिल किए हैं। सेबी की मंजूरी से पहले ही



आईपीओ चर्चा में आ गया है। इस आईपीओ की चर्चा में इसलिए भी है क्योंकि बॉलीवुड के चर्चित एक्टर ऋतिक रोशन का दांव है। आइए डिटेल जान लेते हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) के पास दाखिल किए गए दस्तावेजों के मसौदे (डीआरएचपी) के अनुसार, प्रस्तावित आईपीओ में 950 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 17.86 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। दस्तावेज के अनुसार, ऋतिक रोशन के पास कंपनी में 0.20% हिस्सेदारी है, यानी 19.01 लाख शेयर हैं। इस हिस्सेदारी की कीमत 4 करोड़ है। चूंकि कंपनी ने अभी तक अपना प्राइस बैंड घोषित नहीं किया है, इसलिए उनकी हिस्सेदारी की बिक्री से मिलने वाली कुल रकम का पता नहीं लगाया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक ऋतिक रोशन कंपनी के 3,500-4,000 करोड़ के पब्लिक ऑफर में 6.33 लाख शेयर बेचने वाले हैं।

कौन-कौन बेच रहा हिस्सेदारी: डीआरएचपी से यह भी पता चला है कि बिक्री पेशकश के तहत शेयर बेचने वाले अन्य शेयरधारकों में निराटे, टेमासेक, फिटनेस फर्स्ट, मुकेश बंसल, टाटा डिजिटल, ब्रूनो एडुआर्ड रासले, श्रोडर्स कैपिटल, एक्सेल, एपिक कैपिटल, कलारी और वलेचा इन्वेस्टमेंट्स शामिल हैं।

एचडीएफसी का वो इस्तीफा जिसने बढ़ाई बैंक की परेशानी, खुद सीईओ ने बता दिया

नईदिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट सेक्टर के दिग्गज एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शशिधर जगदीशन ने अंशकालिक चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के अचानक इस्तीफा देने की घटना पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह बैंक के लिए एक चुनौतीपूर्ण घटना रही, जिससे बैंक के संचालन मानकों पर सवाल उठे। बता दें कि चक्रवर्ती ने कार्यकाल पूरा होने से एक साल से भी अधिक पहले 18 मार्च 2026 को नैतिक कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया था। पहली बार बैंक के किसी अंशकालिक चेयरमैन ने कार्यकाल के बीच पद छोड़ा था।

क्या कहा बैंक के सीईओ जगदीशन ने: जगदीशन ने बैंक की शनिवार को जारी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि चक्रवर्ती के त्यागपत्र में किए गए जिक्र के बाद बैंक के निदेशक मंडल ने मामले की समीक्षा के लिए बाहरी कानूनी फर्मों को नियुक्त किया। उन्होंने कहा कि बैंक के अमेरिकी डिपॉजिटरी रिसीट (एडीआर) के न्यूयॉर्क शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के कारण घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तर की फर्मों को इस प्रक्रिया में शामिल किया गया। जगदीशन के अनुसार 26 जून 2026 को साझा किए गए जांच निष्कर्षों में कहा गया कि इस्तीफे के पत्र में किए



इस साल के आखिर तक बढ़ेगा बोझ

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के जल्द ही पॉलिसी दरों में कोई बदलाव न करने की संभावना है। लेकिन, सिक्वोरिटीज का अनुमान है कि दिसंबर 2026 से कुल मिलाकर 50 बेसिस पॉइंट्स (0.5 फीसदी) की दर बढ़ोतरी हो सकती है। वजह है कि महंगाई का जोखिम अब घरेलू कारणों से बढ़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, मैक्रो-इकोनॉमिक जोखिम भू-राजनीतिक तनाव से हटकर स्थानीय मौसम की स्थितियों की ओर बढ़ गए हैं। भविष्य की मॉनेटरी पॉलिसी तय करने में इनकी अहम भूमिका होने की उम्मीद है। फर्म ने खपत और निवेश की मजबूत मांग का हवाला देते हुए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए ग्रोथ का अनुमान 6.5% से बढ़ाकर 6.9% कर दिया है। रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कॉन्ज्युमर प्राइस इंडेक्स महंगाई दर 4.8% रहने का अनुमान लगाया गया है। यह पहले के अनुमानों से कम है। हालांकि, इसमें चेतावनी दी गई है कि सामान्य से

ब्याज दरों में बदलाव का हिंट



कम मॉनसून बारिश और अल-नीनो का बढ़ता जोखिम वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी छमाही में खाने-पीने की चीजों की महंगाई बढ़ा सकता है। इसके चलते ग्रामीण आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ने के आसार हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि अनाज का पर्याप्त स्टॉक, बेहतर व्यापार शर्तें और ग्लोबल कमोडिटी की कीमतों में नरमी से अर्थव्यवस्था को इन जोखिमों से निपटने में मदद मिलने की

एनबीएफसी को होगा फायदा

रिपोर्ट में कहा गया है कि लिक्विडिटी की अनुकूल स्थिति और बैलेंस ऑफ पेमेंट्स की मजबूत स्थिति से क्रेडिट ग्रोथ को बढ़ावा मिलने की संभावना है। इसमें यह भी कहा गया है कि बेहतर मैक्रो-इकोनॉमिक माहौल से नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों को फायदा होगा। खासकर रिटेल, व्हीकल फाइनेंस और लेंडिंग के क्षेत्र में क्योंकि खपत और निवेश बढ़ने से क्रेडिट की मांग भी बढ़ेगी। हालांकि, सिक्वोरिटीज ने चेतावनी दी है कि महंगाई के बदलते हालात की ओर से दरों में संभावित बढ़ोतरी से कुछ लेंडर्स के लिए फंडिंग की लागत ऊंची बनी रह सकती है। इसमें कहा गया है कि एनबीएफसी के लिए लायबिलिटी मैनेजमेंट, प्राइसिंग डिफिशियल और एसेट क्वालिटी की निगरानी महत्वपूर्ण बनी रहेगी।

रूस से तेल खरीद रहे देशों को टारगेट करने वाला है अमेरिका

बन गया है प्लान, भारत के लिए मायने

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के चार सीनेटर रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले अपडेटेड कानून को आगे बढ़ाने के लिए ट्रंप प्रशासन के साथ एक समझौते पर पहुंच गए हैं। शुक्रवार को उन्होंने इसके बारे में जानकारी दी। भारत का इस पूरे घटनाक्रम से सीधा लेनादेना है। कारण है कि भारत भी रूस से तेल खरीदता है।

सीनेटर रिचर्ड ब्लूमथल, लिंडसे ग्राहम, जॉन शाहीन और रोजर विकर ने एक बयान जारी किया। इसमें कहा, 'हमें यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि हम रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले अपने अपडेटेड कानून को आगे बढ़ाने के लिए ट्रंप प्रशासन के साथ एक समझौते पर



पहुंच गए हैं। हम इस महत्वपूर्ण प्राप्ति से बहुत खुश हैं। उम्मीद करते हैं कि यह कानून जल्द ही लागू हो जाएगा।' बयान में कहा गया, 'जैसे-जैसे रूस आम नागरिकों की हत्याएं बढ़ा रहा है, यह जरूरी है कि विधायी और कार्यकारी शाखाएं मिलकर ऐसे उपाय करें जिनसे उन लोगों को भारी कीमत चुकानी पड़े जो रूसी तेल और प्राकृतिक गैस खरीदते हैं। पुतिन की युद्ध मशीन को बढ़ावा देते हैं।'

व्हाइट हाउस ने टिप्पणी के अनुरोध पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। ग्राहम ने की थी जेलेन्स्की से मुलाकात ग्राहम ने शुक्रवार को कीव में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेन्स्की से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि इस समझौते का मतलब है कि कानून को आगे बढ़ाया जा सकता है। इससे ट्रंप को युद्ध खत्म करने में मदद के लिए नए साधन मिलेंगे। यह युद्ध अब अपने पांचवें साल में है। कीव की अपनी 10वीं यात्रा के समापन पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'हम व्हाइट हाउस के साथ रूसी प्रतिबंध विधेयक के एक ऐसे संस्करण पर सहमत हुए हैं जिसका वे समर्थन करेंगे। इसका मतलब है कि यह कानून बन जाएगा।' यह कानून उन देशों पर प्रतिबंध लगाएगा जो रूस के साथ व्यापार करते हैं।

एसबीआई फंड आईपीओ का साइज हुआ कम

जीएमपी भी 100 के नीचे आया, चेक करें डीटेल्स

नईदिल्ली, एजेंसी। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के आईपीओ का साइज कम हो गया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से प्री आईपीओ प्लेसमेंट में 1.6 प्रतिशत की हिस्सेदारी बेचने के बाद यह कटौती हुई है। अब इस चर्चित आईपीओ का साइज 9812.90 करोड़ रुपये का है। शुरुआती समय में कंपनी को योजना 11692.90 करोड़ रुपये जुटाने की थी। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फार सेल पर आधारित है। कोई भी नया फ्रेश शेयर नहीं जारी किया जाएगा। बता दें, इस फंड कंपनी में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की होल्डिंग है। शेयर बाजार को दी गई सूचना के अनुसार, बैंक ने यह हिस्सेदारी 574 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेची, जो प्रस्तावित आईपीओ के मूल्य दायरे की ऊपरी सीमा भी है। एसबीआई ने यह हिस्सेदारी 360 वन फंड्स, टाटा एआईजी जनरल

इंश्योरेंस कंपनी, गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस, बनेट कोलमैन, आनंद राठी ग्लोबल फाइनेंस, कैप्री ग्लोबल वेंचर्स और



कार्नेलियन भारत अमृतकाल फंड सहित विभिन्न निवेशकों को बेची। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट आईपीओ का प्राइस बैंड 545 रुपये से 574 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। कंपनी ने 26 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14924 रुपये का इनवेस्टमेंट करना होगा। बता दें, यह आईपीओ 14 जुलाई को खुल

जाएगा। निवेशकों के पास 16 जुलाई 2026 तक का मौका रहेगा। कंपनी ने कर्मचारियों को एक शेयर पर 54 रुपये की छूट दी

है। यह मेनबोर्ड सेगमेंट का आईपीओ है। ऐसे में इसकी लिफ्टिंग बीएसई और एनएसई दोनों जगह होगी। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा। वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए कम से कम 35 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रहेगा। एनआईआई के लिए कम से कम 15 प्रतिशत रिजर्व रहेगा।

डीमार्ट के शेयरों पर सोमवार को रहेगी सबकी नजर, क्यू! रिजल्ट का हुआ ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। रिटेल आउटलेट्स डी-मार्ट का संचालन करने वाली कंपनी एवेन्यु सुपरमार्ट्स लिमिटेड का वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में नेट प्रॉफिट 11.33 प्रतिशत बढ़कर 860.44 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 772.81 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। एवेन्यु सुपरमार्ट्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी ऑपरेटिंग रेटन्यू अप्रैल-जून तिमाही में 14.9 प्रतिशत बढ़कर 18,794.53 करोड़ रुपये हो गई, जो 2025-26 की समान तिमाही में 16,359.70 करोड़ रुपये थी। बता दें, इस कंपनी के प्रमोटेड राधाकिशन दमानी हैं। डाटा के अनुसार उनके पास 23 प्रतिशत हिस्सा है। कंपनी में प्रमोटेड की हिस्सेदारी 74.50 प्रतिशत है। पब्लिक के पास 7.6 प्रतिशत हिस्सा है। एफआईआई के पास 9 प्रतिशत हिस्सा है। म्यूचुअल फंड्स के पास 6.8 प्रतिशत हिस्सा है। बता दें, आईसीआईआईआई प्रूडेंशियल फंड और एसबीआई म्यूचुअल फंड की कंपनी में हिस्सेदारी है। तिमाही नतीजे के सामने आने के बाद अब सोमवार को कंपनी के शेयरों फोकस में रहेंगे। शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय स्टॉक 0.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 4083.05 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था। बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 7.30 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। 2026 में यह स्टॉक 9.83 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। हालांकि, इसके बाद भी एक साल में यह स्टॉक 2.03 प्रतिशत गिरा है। इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 6.76 प्रतिशत लुढ़का है। दो साल में एवेन्यु सुपरमार्ट्स लिमिटेड के शेयरों का दाम 15.63 प्रतिशत गिरा है। तीन साल में कंपनी के शेयरों का दाम 8.58 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। 15 साल में यह स्टॉक 20.84 प्रतिशत चढ़ा है। हालांकि यह सेंसेक्स इंडेक्स के 48.07 प्रतिशत के रिटर्न की तुलना में काफी कम है।

नई दिल्ली, एजेंसी। रमेश कुमार दुआ दिल्ली के रहने वाले हैं। अपने भाई मुकुंद लाल दुआ के साथ मिलकर उन्होंने विशाल फुटवियर एम्पायर खड़ा कर दिया। इसका नाम 'रिलैक्सो' है। इसका मार्केट कैपिटलाइजेशन 9,828 करोड़ रुपये है। कभी भारी कर्ज में डूबे एक छोटे पारिवारिक व्यवसाय से शुरुआत करने वाले इन भाइयों ने अपनी मेहनत, दूरदर्शिता और नई तकनीक के दम पर यह कामयाबी हासिल की। इसकी शुरुआत पुराने जूते सिलने से हुई थी। आइए, यहां रमेश कुमार दुआ और उनके भाई मुकुंद लाल दुआ की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

तंगहाली का बुरा दौर देखा: रिलैक्सो की सफलता के पीछे संघर्ष की लंबी और भावुक कहानी है। हरियाणा में जन्मे दोनों भाई तब दिल्ली आ गए थे जब रमेश कुमार दुआ केवल एक साल के थे। उस दौरान उनका पारिवारिक व्यवसाय भारी कर्ज के बोझ तले दबा था। रमेश कुमार दुआ का सपना एक डॉक्टर बनने का था। लेकिन,

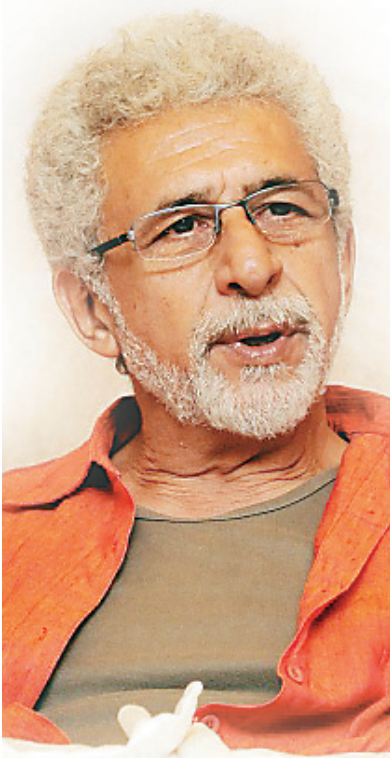


उन्होंने पढ़ाई जारी रखने की शर्त पर कदम आगे बढ़ाया, जहां वह दिन के पहले हिस्से में पढ़ाई करते। दूसरे हिस्से में सिर्फ तीन

परिवार की खराब माली हालत को देखते हुए उन्हें महज 17 साल की उम्र में बिजनेस में शामिल होने के लिए कह दिया गया।

लोगों की टीम के साथ काम संभालते। हालात इतने चुनौतीपूर्ण थे कि एक समय रमेश खुद टूटे हुए जूतों के सोल ठीक करके

कुछ रुपये कमाया करते थे। साल 1974 में रमेश और उनके भाई मुकुंद लाल दुआ ने घाटे में चल रहे साइकिल पार्ट्स के बिजनेस



एक्शन ड्रामा फिल्म ‘ओम’ में धनुष के साथ नजर आएंगे नसीरुद्दीन शाह

दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह अपनी नई रिलीज हुई फिल्म ‘मैं वापस आऊंगा’ की कामयाबी को लेकर खुश हैं। इस बीच खबर है कि वह धनुष की अपकमिंग एक्शन ड्रामा फिल्म ‘ओम’ में नजर आने वाले हैं। वह आधिकारिक तौर पर इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन गए हैं, जिससे 26 साल बाद तमिल सिनेमा में उनकी वापसी हो रही है। यह एक बड़े बजट का प्रोडक्शन है जिसे दो-भागों वाली एक्शन ड्रामा फिल्म के तौर पर बनाया जा रहा है। इसका निर्देशन राजकुमार परियासामी कर रहे हैं, जिन्हें ‘अमरन’ के लिए काफी तारीफें मिली थीं। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर नसीरुद्दीन शाह की एक तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा ‘ओम की दुनिया में एक दमदार एंटी। दिग्गज नसीरुद्दीन इस मेगा फिल्म का हिस्सा बन गए हैं। 16 अक्टूबर 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में आ रही है।’

20 साल पहले तमिल में किया था काम

आपको बता दें कि नसीरुद्दीन शाह ने कामल हासन की फिल्म ‘हे राम’ (2000) में शाहरुख खान के साथ महात्मा गांधी की भूमिका निभाई थी। यह उनकी आखिरी तमिल फिल्म थी। फिल्म से जुड़ सकते हैं ममूटी नसीरुद्दीन शाह के जुड़ने से अब ‘ओम’ की कास्ट काफी मजबूत हो गई है, जिसमें धनुष मुख्य भूमिका में हैं। साई पल्लवी और श्रीलीला को फीमेल लीड के तौर पर कास्ट किया गया है। फिल्म में मलयालम अभिनेता ममूटी के भी एक अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है। ‘ओम चैप्टर 1: उधिरम- द ब्लड बुड’ 16 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।



लॉस एंजिल्स में भाषा से जुड़ी चुनौतियों पर बोलीं सना सईद

सुपरहिट फिल्म ‘कुछ कुछ होता है’ में शाहरुख खान की बेटी ‘अंजलि’ का किरदार निभाकर लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली अभिनेत्री सना सईद ने सोशल मीडिया पर अपना एक अनुभव साझा किया। दरअसल, उन्होंने विदेश में रहने के दौरान भाषा, उच्चारण और संवाद से जुड़ी कठिनाइयों के बारे में खुलकर बात की। सना सईद आज लॉस एंजिल्स में रहती हैं और अपने करियर और जीवन को नए तरीके से आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने अमेरिका पहुंचने के शुरुआती दिनों का एक दिलचस्प अनुभव बताया। सना ने बताया, ‘साल 2016 में मैं पहली बार पढ़ाई के लिए लॉस एंजिल्स आई थी। इस दौरान मुझे रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों में भी काफी मुश्किलें

का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा मुझे एहसास हुआ कि अगर मुझे अमेरिका में लंबे समय तक रहना है, तो मुझे अपने बातचीत करने के तरीके पर काम करना होगा, क्योंकि सुना जाना सबसे जरूरी है। इसके बाद मैंने अपने उच्चारण और बोलने के तरीके पर ध्यान देना शुरू किया और इसके लिए ट्रेनिंग भी ली।’ सना ने बताया कि यह प्रक्रिया आसान नहीं थी। किसी नए देश में जाकर वहां की भाषा के अनुसार खुद को ढालना बिल्कुल एक नई भाषा सीखने जैसा होता है। इसमें समय, मेहनत और लगातार अभ्यास की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, ‘‘कई लोग सोचते हैं कि उच्चारण बदलना बहुत आसान है, लेकिन असल में इसके पीछे बहुत मेहनत और आत्मविश्वास की जरूरत होती है।’’



‘सतलुज’ को ओटीटी से हटाए जाने पर बोलीं नीरू बाजवा

पंजाबी एक्ट्रेस नीरू बाजवा ने सोशल मीडिया पर दिलजीत दोसांझ की फिल्म ‘सतलुज’ को ओटीटी प्लेटफॉर्म से हटाए जाने पर निराशा ज़ाहिर की है। फिल्म को रिलीज होने के सिर्फ 2 दिन बाद ही हटा दिया गया था। नीरू ने दिलजीत के साथ कई फिल्मों में काम किया है। उन्होंने कहा कि दर्शकों को यह चुनने का हक है कि वे किसी फिल्म का समर्थन करना चाहते हैं या उसकी आलोचना करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि दर्शकों को यह जानने का हक है कि फिल्म को अचानक ओटीटी प्लेटफॉर्म से क्यों हटाया गया। नीरू ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि मैंने ‘सतलुज’ देखी, भावनाएं निश्चित रूप से जागृत हुईं। एक फिल्म मनोरंजन से कहीं बढ़कर है। यह उसके निर्माताओं की आवाज, उनका जुनून, उनका सच और बरसों की कड़ी मेहनत है। किसी के पास भी बिना जवाबदेही के उसे दबाने की ताकत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग किसी फिल्म का समर्थन करें या उसकी आलोचना, यह उनका फैसला होना चाहिए। दर्शकों से यह विकल्प छीनना गलत है। हमें इसे देखने, खुद सोचने और यह तय करने का हक है कि हमारे लिए इसका क्या मतलब है। अगर ‘सतलुज’ को हटाया

गया है तो जनता को स’ चाई जानने का हक है। हमें स्पष्टीकरण चाहिए, खामोशी नहीं। पारदर्शिता कोई विशेषाधिकार नहीं है; यह एक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पंजाबी होने के नाते, उन्हें सवाल पूछने का हक है अगर उनकी मातृभूमि की कहानियों को उनसे छिपाया जाता है। अभिनेत्री ने कहा कि हम कुछ खास नहीं मांग रहे हैं। हम स’ चाई, निष्पक्षता और फिल्म को अनुभव करने और अपनी राय बनाने की आजादी मांग रहे हैं। हमारी आवाज मायने रखती है। हमारी कहानियां मायने रखती हैं और स’ चाई मायने रखती है। मंगलवार को नीरू ने एक और सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि उन्हें यह बहुत गलत लगा कि ‘सतलुज’ को ओटीटी प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया, जबकि उन्हें फिल्म देखने का मौका भी नहीं मिला था। उन्होंने लिखा कि पंजाबी कलाकार के तौर पर मुझे गर्व है, लेकिन ‘सतलुज’ को हटाए जाने से निराशा महसूस हुई। हमारी संस्कृति और पहचान को दर्शाने वाली कहानियां देखे जाने के लायक हैं, दबाए जाने के लायक नहीं। यह फैसला हमारे समुदाय के लिए अन्यायपूर्ण और दिल तोड़ने वाला है। सेंसरशिप के खिलाफ लंबी लड़ाई के बाद, ‘सतलुज’ आखिरकार जी-5 पर रिलीज हुई। हालांकि, रिलीज के सिर्फ 2 दिन बाद ही भारत में फिल्म को हटा दिया गया।



काजल अग्रवाल ने खूबसूरत दिखने के दबाव पर रखी राय

काजल अग्रवाल ने अभिनेत्रियों के परफेक्ट दिखने के दबाव को लेकर बात की है। उनका मानना है कि आज की एक्ट्रेस को इंडस्ट्री में आने के लिए ज्यादा कड़ी जांच-परख का सामना करना पड़ता है। उन्होंने माना कि उन्हें उन युवा एक्ट्रेस के लिए बुरा लगता है जो इंडस्ट्री के खूबसूरती के पैमानों से जुड़ा रही हैं।

पहले दबाव कम था

जूम के साथ बातचीत में काजल ने खूबसूरत दिखने के दबाव को लेकर कहा ‘समय बहुत अलग था। सोशल मीडिया नहीं था। बाहरी तौर पर एक्ट्रेज जजमेंट नहीं होते थे। ऐसे कोई एयरपोर्ट लुक नहीं थे, जिनके लिए आपको सफाई देनी पड़े। आप बस जैसे हैं, वैसे ही रह सकते थे और किसी कमरे या एयरपोर्ट में आराम से जा सकते थे। पूरी तरह तैयार होकर दैवल करना आसान नहीं है। श्रुत है कि उस समय मुझे इन सब चीजों का सामना नहीं करना पड़ा।’

युवा लड़कियों के लिए बुरा लगता है

काजल ने आगे कहा ‘फिल्ममेकर्स की तरफ से जजमेंट जरूर आते थे, जैसे वे

चाहते थे कि मैं मोटी या पतली दिखू या कुछ और। ऐसी बातें होती थीं। मगर मुझे लगता है कि तब भी चीजें आसान थीं। तब इतना क्रूर माहौल नहीं था। इसलिए मुझे अभी की युवा लड़कियों के लिए बुरा लगता है। मुझे सच में उम्मीद है कि वे अपनी जगह बना पाएंगी।’

‘ना’ कहना सीखना जरूरी है

काजल ने यह भी कहा कि उनमें हमेशा उन स्थितियों से बाहर निकलने का आत्मविश्वास रहा है, जिनमें वे सहज नहीं थीं। उन्होंने कभी भी सिर्फ मौके पाने के लिए ‘हां’ कहने का दबाव महसूस नहीं किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर बात पर सहमत होने के बजाय ‘ना’ कहना सीखना कहीं ज्यादा जरूरी है। काजल अभी अपनी अपकमिंग फिल्म ‘द इंडिया स्टोरी’ की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। चेतन डीके के निर्देशन में बनी इस फिल्म में श्रेयस तलपड़े भी मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म पेरिस्टाइट (कीटनाशक) वाली खेती और समाज पर इसके असर को दिखाती है। यह 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

राम कपूर का छलका दर्द

गौतमी और मैंने भी इंडस्ट्री में झेला उम्र का भेदभाव

टीवी के लोकप्रिय अभिनेता राम कपूर ने अपने करियर में कई यादगार किरदार निभाए हैं और दर्शकों का भरपूर प्यार हासिल किया है। वह अक्सर मनोरंजन जगत के उस सच पर खुलकर बात करते दिखते हैं, जिसके बारे में कलाकार बोलने से बचते नजर आते हैं। इस कड़ी में राम कपूर ने बताया कि इंडस्ट्री में उम्र बढ़ने के साथ कलाकारों को किस तरह नजरअंदाज किया जाता है। साथ ही बताया कि उनकी पत्नी और अभिनेत्री गौतमी कपूर भी इसी तरह के दौर से गुजर चुकी हैं।

राम कपूर ने यह खुलासा नेटपिलक्स के रियलिटी शो ‘लॉक अप: सच या सजा’ के दौरान आकांक्षा चमोला से बातचीत में किया। दरअसल, शो में आकांक्षा चमोला ने राम कपूर से कहा कि वह जल्द ही अपने पति गौरव खन्ना से अलग रहकर अपनी नई शुरुआत करने वाली

हैं। ऐसे में उन्हें अपना नया ठिकाना बनाना होगा और करियर को भी नए सिरे से संभालना पड़ेगा। उन्होंने राम से कहा कि इस सफर में उन्हें उनकी मदद की जरूरत पड़ सकती है। आकांक्षा की बात सुनकर राम ने बिना किसी झिझक के उनका साथ देने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह अपनी पूरी टीम को उनकी मदद के लिए लगा देंगे। बातचीत के दौरान आकांक्षा ने मनोरंजन इंडस्ट्री की एक बड़ी समस्या का जिक्र करते हुए कहा कि यहां कलाकारों की उम्र को लेकर बहुत जल्दी धारणा बना ली जाती है। जैसे ही कोई कलाकार 35 साल की उम्र पार करता है, उसे यह कहकर अलग कर दिया जाता है कि अब वह पहले जैसा नहीं रहा। इससे कलाकारों के लिए नए मौके कम होने लगते हैं और करियर पर असर पड़ता है। आकांक्षा ने राम कपूर से बात करते हुए कहा, ‘आप जानते हैं कि लोग हमारी उम्र को अच्छी नजर से नहीं देखते। दुर्भाग्य से जैसे ही कोई कलाकार 35 साल का होता है, उसे यह कहकर अलग कर दिया जाता है कि वह अब बहुत उम्रदराज हो गया है। मुझे इस दुनिया की ज्यादा समझ नहीं है। मैं जितना कर सकती थी, उतना किया है।

अब उम्मीद है कि आगे भी काम मिलता रहे, ताकि मैं अपनी जिंदगी सुरक्षित बना सकूँ।’ आकांक्षा की बातें सुनकर राम कपूर ने कहा कि उनकी स्थिति उन्हें अपनी पत्नी गौतमी कपूर की याद दिलाती है। उन्होंने बताया कि गौतमी भी अपने करियर में ऐसे ही दौर से गुजरी हैं और वह इस दर्द को अच्छी तरह समझते हैं। राम ने कहा, ‘गौतमी और मैंने भी उम्र का भेदभाव झेला है। शुरुआत में गौतमी भी इसी तरह की परिस्थितियों से गुजरी थीं। मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन जो दौर तुम झेल रही हो, उससे गौतमी भी गुजर चुकी हैं। वह मेरी पत्नी हैं, मेरी दुनिया हैं, मेरा प्यार हैं। इसलिए मैं समझ सकता हूँ कि तुम किस स्थिति में हो। मैं तुम्हारे लिए जितना संभव होगा, उतनी मदद करूंगा।’ बता दें कि नेटपिलक्स के रियलिटी शो ‘लॉक अप: सच या सजा’ को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सुफी मोर्तीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रावर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कई चर्चित चेहरे भी शामिल हैं।





आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए सौरव गांगुली समेत 3 दिग्गज, जय शाह ने भी दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की ओर से हॉल ऑफ फेम में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को शामिल किया गया है। उनके साथ महिला टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा और इंग्लैंड के पूर्व धाकड़ बल्लेबाज केविन पीटरसन को भी यह खास सम्मान दिया गया है। एडिनबर्ग में हुए एक शानदार कार्यक्रम में तीनों हस्तियों को सम्मानित किया गया।



आईसीसी चेयरमैन जय शाह की ओर के बधाई संदेश भी दिया जा चुका है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा?

आईसीसी मुखिया जय शाह ने अपने आधिकारिक एक्स हैडल से सौरव गांगुली, अंजुम चोपड़ा और केविन पीटरसन को बधाई दी। जय शाह ने लिखा, मुझे आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले नए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। यह उन असाधारण लोगों के लिए सम्मान है जिनकी उपलब्धियों ने हमारे खेल में बहुत बड़ा योगदान दिया है। सौरव गांगुली, अंजुम चोपड़ा और केविन पीटरसन, इन सभी ने गवर् के साथ अपनी राष्ट्रीय टीमों की कप्तानी की है और मैं आईसीसी की ओर से

उन्हें इस बेहद हकदार सम्मान के लिए बधाई देना चाहता हूँ।

सौरव गांगुली को भारतीय क्रिकेट का चेहरा बदलने वाला कप्तान माना जाता है। भारत के लिए उन्होंने 113 टेस्ट और 311 वनडे खेले। जिसमें दादा ने क्रमशः 7212 और 11363 रन बनाए। हॉल ऑफ फेम में जगह मिलने पर गांगुली ने कहा, आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है। क्रिकेट के महानतम खिलाड़ियों में मेरा नाम शामिल होना मेरे सबसे यादगार पलों में से एक रहेगा। महिला टीम की पूर्व कप्तान और 127 वनडे खेलने वाली अंजुम चोपड़ा ने भी अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, खेल के दिग्गजों के बीच

पहचाने जाने का यह सम्मान उन सभी लोगों के लिए एक पुरस्कार है जिन्होंने मेरे करियर को संवारने में मदद की है। मैं उन सभी का आभारी हूँ और आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने पर बहुत खुश हूँ।

केविन पीटरसन अपने दौर के सबसे बेबाक और रचनात्मक बल्लेबाजों में से एक रहे। इंग्लैंड के लिए उन्होंने 104 वनडे और 136 टेस्ट खेले। हॉल ऑफ फेम में अपना नाम देख उन्होंने कहा, आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना बहुत बड़े सम्मान की बात है। इस तरह पहचान मिलना और खेल के इतने महान खिलाड़ियों के साथ अपना नाम देखना सचमुच बहुत गर्व और विनम्रता का अनुभव कराता है।

टेस्ट के बीच विश्व कप विजेता कप्तान हीदर नाइट ने किया संन्यास का ऐलान

16 साल लंबे करियर को कहा अलविदा



नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान हीदर नाइट ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। भारत के खिलाफ लॉर्ड्स में खेला जा रहा टेस्ट मैच उनके करियर का आखिरी मुकाबला होने वाला है। साल 2010 में डेब्यू करने वाली नाइट ने इंग्लैंड को 2017 में विश्व चैंपियन बनाया। फाइनल में मिसौली की कप्तानी वाली टीम इंडिया को एकतरफा मुकाबले में मात दी थी। हीदर नाइट वर्ल्ड क्रिकेट में इंग्लैंड का वर्चस्व बनाने वाली खिलाड़ियों में से एक रहीं हैं।

हीदर नाइट हो गईं भावुक

हीदर नाइट ने भावुक होते हुए इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहा। विदाई स्पीच में उन्होंने 16 साल के सफर को याद करते हुए कहा, इंग्लैंड की क्रिकेटर के रूप में मैंने जो यात्रा तय की, उसके लिए मैं बेहद आभारी और खुद को भाग्यशाली मानती हूँ। इस टीम और ड्रेसिंग रूम से दूर होना आसान नहीं है क्योंकि पिछले 16 वर्षों से यहां के लोग मेरी जिंदगी का अहम हिस्सा रहे हैं। इन यादों, अनुभवों और लोगों ने मुझे वह इंसान बनने में मदद की। जो मैं आज हूँ, मैं अपने फैसले को लेकर पूरी तरह संतुष्ट हूँ और आने वाले समय को लेकर उत्साहित हूँ।

टेस्ट मैच में टीम इंडिया आगे

इसके साथ ही बात की जाए लॉर्ड्स में खेले जा रहे टेस्ट की तो भारतीय टीम का पलड़ा मजबूत नजर आ रहा है। पहली पारी में मेजबानों ने 285 रन बोर्ड पर लगाए। फिर इंग्लैंड को 170 के स्कोर पर ऑलआउट कर दिया। वहीं दूसरी पारी में दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 1 विकेट के नुकसान पर 154 रन बना लिए हैं। स्मृति मंधाना (69) और यास्तिका भाटिया (39) क्रीज पर जमी हुई हैं। टीम इंडिया के पास 269 रन की बढ़त है।

21 साल की लिंडा नोस्कोवा बनीं विंबलडन चैंपियन

लंदन (एजेंसी)। चेक रिपब्लिक की 21 साल की टेनिस खिलाड़ी लिंडा नोस्कोवा ने विंबलडन 2026 का विमेंस सिंगल्स खिताब अपने नाम कर लिया है। ऑल इंग्लैंड क्लब के सेंटर कोर्ट पर खेले गए फाइनल मुकाबले में नौवीं सीड नोस्कोवा ने अपनी ही हमवतन और पेरिस ओलिंपिक की डबल्स पार्टनर कैरोलीना मुहोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से शिकस्त दी। विंबलडन के इतिहास में यह पहली बार था जब दो चेक खिलाड़ियों के बीच फाइनल मैच खेला गया। इस जीत के साथ ही नोस्कोवा को करीब 38.5 करोड़ रुपए (3.6 मिलियन) की इनामी राशि मिली और वे अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 7वीं रैंकिंग पर पहुंच जाएंगी।

4 साल में तीसरी चेक चैंपियन बनीं लिंडा नोस्कोवा - लिंडा नोस्कोवा पिछले

चार सालों में विंबलडन महिला सिंगल्स का खिताब जीतने वाली तीसरी चेक खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले मार्केटा वोन्ड्रोसोवा ने 2023 और बार्बोरा क्रीजिकोवा ने 2024 में यह खिताब जीता था।

मैच पाइंट गंवाने के बाद कांपने लगी थीं नोस्कोवा - मैच के दौरान एक समय ऐसा आया जब नोस्कोवा आसानी से जीत की तरफ बढ़ रही थीं। वे दूसरे सेट में 6-2, 5-2 से आगे थीं। इसके बाद 10वीं सीड मुहोवा ने जोरदार वापसी की और लगातार 5 गेम जीतकर दूसरा सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। इस दौरान दबाव में नोस्कोवा का बांडी लैवेंज देखने लायक था। वे फ्राउड के शोर से बचने के लिए कानों में उंगलियां

मेसी के बिना भी नहीं रुका अर्जेंटीना

कार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया

अल्वारेज और एलिस्टर बने हीरो

छठी बार फुटबॉल वर्ल्डकप सेमीफाइनल में, अर्जेंटीना, अब इंग्लैंड से मुकाबला



सेमीफाइनल में अर्जेंटीना का 100 प्रतिशत जीत कारिकॉर्ड

अर्जेंटीना वर्ल्ड कप इतिहास की पहली टीम बन गई, जिसने एक ही वर्ल्ड कप में दो अलग-अलग मैचों के एक्स्ट्रा टाइम के एक ही हाफ में दो-दो गोल किए। उसने राउंड ऑफ 32 मैच में केप वर्ड के खिलाफ एक्स्ट्रा टाइम में डबल गोल किए थे। अर्जेंटीना ने वर्ल्ड कप में लगातार 15वें मैच में गोल किया। इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे लंबी गोल करने की श्रृंखला केवल उरुग्वे (16 मैच, 1930-1962), हंगरी (17 मैच, 1934-1962), जर्मनी (18 मैच, 1934-1958 और 1986-1998) और ब्राजील (18 मैच, 1930-1958) के नाम दर्ज हैं। स्विट्जरलैंड की लंबी बढ़त का सिलसिला टूट गया।

एम्बोलो को रेड कार्ड, मैदान पर रोने लगे

72वें मिनट में स्विट्जरलैंड के फॉरवर्ड ब्रील एम्बोलो को मैदान से बाहर भेज दिया गया। वीडियो रिव्यू से पता चला कि उन्होंने ऐसा दिखाने की कोशिश की थी कि वे किसी टैकलिंग की वजह से गिरे, जबकि ऐसा कुछ नहीं हुआ।

भारत-इंग्लैंड एक दिवसीय सीरीज की टीम में बीसीसीआई ने किए 2 बदलाव

● जिम्बाब्वे दौरे के लिए रवि बिश्नोई टीम में, वरुण चक्रवर्ती बाहर ● पहला मैच 14 जुलाई को बर्मिंघम में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज के समापन के बाद अब दोनों देशों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज भी खेली जाने वाली है। जिसका पहला मैच 14 जुलाई को बर्मिंघम में खेला जाने वाला है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड की ओर से आज यानी 12 जुलाई को टीम में 2 बदलाव किए गए हैं। प्रिंस यादव और रवि बिश्नोई ने इजर्ड हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती को रिप्लेस किया है। दोनों खिलाड़ी चौथे टी20 से पहले चोटिल हुए थे।

चोटिल हुए हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती - बीसीसीआई की ओर से जारी की गई जानकारी के अनुसार हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती ने तीसरे टी20 के बाद पेशानी जाहिर की थी। स्कैन और तमाम मेडिकल जांच के बाद पता लगा कि राणा को ग्रेड-1 हेमिस्ट्रिंग इंजरी हुई है। जबकि वरुण को ग्रेड-2 हेमिस्ट्रिंग चोट लगी है। एहतियाते के तौर पर दोनों खिलाड़ियों को चौथे टी20 से आराम देकर पूरी



सीरीज से बाहर कर दिया गया था। आपको बता दें कि वरुण जिम्बाब्वे दौरे से भी बाहर हो गए हैं। हर्षित का इस श्रृंखला के लिए चयन नहीं हुआ था।

रवि बिश्नोई और प्रिंस यादव - वरुण चक्रवर्ती के रिप्लेसमेंट के रूप में रवि बिश्नोई आए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ उन्हें पहले और दूसरे टी20 में खेलने का मौका मिला। चेंस्टर-ली-स्ट्रीट में बारिश के कारण मैच रद्द होने के कारण उनकी गेंदबाजी नहीं आई। दूसरे मुकाबले में उन्होंने 4 ओवर में 60 रन दिए, फिर उन्हें ड्रॉप

कर दिया गया। उनकी नो बॉल और एक ओवर में 27 रन देने की वजह से टीम इंडिया को हार का भी सामना करना पड़ा था। दूसरी ओर प्रिंस यादव ने हर्षित राणा की जगह ली है। आयर्लैंड के खिलाफ दूसरे मुकाबले में उन्होंने टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया। पहले 2 मैच में 5 विकेट लेने के बाद आखिरी 2 मैचों से उनके लिए विकेट का खाता नहीं खुला है। हालांकि उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे मैच से इंटरनेशनल क्रिकेट में कदम रखा। 2 एकदिवसीय मुकाबलों में उनके नाम 3 विकेट हैं।

आंध्र के अनंतपुर में खेल गरीबी से निकलने का जरिया

स्पोर्ट्स विलेज ने इंटरनेशनल खिलाड़ी दिए, 350 से ज्यादा प्लेयर्स को सरकारी नौकरियां मिलीं

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश का अनंतपुर जिला अपनी भौगोलिक चुनौतियों, सूखी जमीन और लगातार पड़ने वाले सूखे के लिए जाना जाता है। यहां की बड़ी आबादी खेती पर निर्भर है, लेकिन अनियमित बारिश और सीमित संसाधनों के कारण लोगों की आय और जीवन स्तर हमेशा संकटग्रस्त रहा है।

रोजगार के अन्य विकल्पों की कमी ने युवाओं और महिलाओं के लिए मुश्किलें और बढ़ा दी हैं, लेकिन इसी बंजर और चुनौतीपूर्ण माहौल के बीच 'रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट' (आरडीटी) पूरे ग्रामीण समाज की दिशा बदल रहा है। 1969 में विसेंट और ऐनी फेरर द्वारा स्थापित इस संस्था ने स्वास्थ्य और शिक्षा के साथ-साथ एक अनूठा प्रयोग किया-खेतों को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव का हथियार



कंप्यूटर जैसी सुविधाओं वाले 4 विशेष स्पोर्ट्स-एजुकेशन सेंटरों तक लाया जाता है। जो खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं, उन्हें 'अनंतपुर स्पोर्ट्स विलेज' (एएसवी) की एलीट रेजिडेंशियल एकेडमी में चुना जाता है।

● कैरोलीना मुहोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से हराया; करियर की बेस्ट रैंकिंग 7 पर पहुंचीं



डालती दिखीं और चेंजओवर के समय विंबलडन के तौलिये में अपना चेहरा छिपा लिया। हालांकि, तीसरे सेट में उन्होंने खुद को

मेरे लिए फ्लाइंग का डर होने के बावजूद यहां मैच देखने आए। महिला सिंगल्स फाइनल में सेंटर कोर्ट पर कैरोलीना मुहोवा को हराने के

संभाला और जीत कर इतिहास रच दिया। जीत के बाद नोस्कोवा कोर्ट पर ही बैठ गईं और भावुक हो गईं। ट्रॉफी मिलने के बाद स्पीच के दौरान वे रो पड़ीं। उन्होंने आसमान की तरफ देखते हुए फ्लाईंग किस किया और अपनी दिवंगत मां को याद किया। नोस्कोवा ने कहा, दो साल पहले विंबलडन की शुरुआत से ठीक पहले मेरी मां इवाना का निधन हो गया था। मैं उनके बिना आज यहां नहीं होती। मैं अपने पिता को भी धन्यवाद देना चाहती हूँ, जो

बाद लिंडा नोस्कोवा अपनी दिवंगत मां की याद में आसमान की ओर किस उड़ती हुई। **मुहोवा ने मजाकिया अंदाज में कहा-** लिंडा मेरी एक्स-फ्रेंड हैं - हार के बाद स्पीच के दौरान वे रो पड़ीं। उन्होंने आसमान की तरफ देखते हुए फ्लाईंग किस किया और अपनी दिवंगत मां को याद किया। नोस्कोवा ने कहा, दो साल पहले विंबलडन की शुरुआत से ठीक पहले मेरी मां इवाना का निधन हो गया था। मैं उनके बिना आज यहां नहीं होती। मैं अपने पिता को भी धन्यवाद देना चाहती हूँ, जो

मेरे लिए फ्लाइंग का डर होने के बावजूद यहां मैच देखने आए। महिला सिंगल्स फाइनल में सेंटर कोर्ट पर कैरोलीना मुहोवा को हराने के

डैन एनड्रयॉय ने स्विट्जरलैंड को बराबरी दिलाई

हाफ टाइम के बाद स्विस् टीम ने डैन एनड्रयॉय के गोल के दम पर बराबरी हासिल कर ली। टीम ने गोल करने के कई प्रयास किए। आखिरकार, रेड जर्सी की मेहनत रंग लाई। 67वें मिनट में डैन एनड्रयॉय बाईं ओर से तेजी से आगे बढ़े और रिकार्डो स्टोइज़न के साथ पास का आदान-प्रदान किया और एमिलियानो मार्टिनेज को पछाड़ते हुए बेहद कंट्रोल गोल किया।

मेसी के क्रॉस पर मैक एलिस्टर का गोल

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने मैच की शुरुआत में ही 1-0 की बढ़त ले ली। 10वें मिनट में एलिस मैक एलिस्टर ने लियोनेल मेसी के शानदार पास पर गोल दागा। अर्जेंटीना ने मौजूदा एडीशन में अपना सबसे तेज गोल किया है। मेसी ने पेनल्टी कॉर्नर पर पास दिया था। इस पर एलिस्टर ने हेडर लगाकर गोल दागा। मेसी ने 10वां गोल असिस्ट किया है, जबकि एलिस्टर ने लगातार दूसरे वर्ल्ड कप एडीशन में गोल स्कोर किया है। उन्होंने 2022 में पोलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच में गोल किया था।

स्विट्जरलैंड के खिलाफ लियोनेल मेसी की टीम ने रैटिन को श्रद्धांजलि देने के लिए पहनी काली पट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के कार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच के दौरान अर्जेंटीना के खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे। ऐसा उन्होंने टीम के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी एंटोनियो रैटिन को श्रद्धांजलि देने के लिए किया, जिनका शनिवार को निधन हो गया। रैटिन अर्जेंटीना और बोका जूनियर्स के सबसे शानदार खिलाड़ियों में गिने जाते थे। उन्होंने अपने करियर में कई यादगार



प्रदर्शन किए और 1962 व 1966 वर्ल्ड कप में भी देश का गौरव बढ़ाया। राटा के नाम से मशहूर रैटिन ने 1956 से 1970 के बीच बोका जूनियर्स के लिए 382 मैच खेले, 28 गोल किए और वलब को चार लीग खिताब जीताने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 1962 और 1966 फीफा वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व भी किया। परिवार की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, एंटोनियो रैटिन का 11 जुलाई को 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। बताया गया कि उन्हें स्ट्रोक आने की आशंका थी, जिसके बाद उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से अर्जेंटीना के फुटबॉल जगत में शोक की लहर दौड़ गई।

इंग्लैंड फुटबॉल वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में

● नॉर्वे को कार्टर फाइनल में 2-1 से हराया, बेलिंगहैम ने दो गोल दागे



मियामी गार्डन्स (एजेंसी)। जूड बेलिंगहैम के दो गोल की बदौलत इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उसने रविवार के पहले मुकाबले में नॉर्वे को एक्स्ट्रा टाइम में 2-1 से हराया। इंग्लैंड 2018 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप के अंतिम-4 में पहुंचा है। मियामी स्टेडियम में खेला गया मुकाबला तय समय तक 1-1 की बराबरी पर रहा। उसके बाद रियल मैड्रिड के स्टार मिडफील्डर जूड बेलिंगहैम ने टीम के दोनों गोल किए। विजयी गोल एक्स्ट्रा टाइम के तीसरे मिनट में हराया। इंग्लैंड का सेमीफाइनल मैच अर्जेंटीना से 15 जुलाई को होगा। जूड बेलिंगहैम ने मैच में 2 गोल किए। उनके फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अब तक 6 गोल हो गए हैं। इंग्लिश केप्टन हैरी केन ने भी 6 गोल किए हैं। यह पहली बार है, जब इंग्लैंड के दो खिलाड़ियों ने एक ही वर्ल्ड कप में 5 या उससे अधिक गोल दागे हैं। गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड ने वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के लिए अपना 18वां मैच खेलकर नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने पीटर शिल्टन के 17 मैचों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। वर्ल्ड कप इतिहास में इंग्लैंड के सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले गोलकीपर बन गए। इंग्लैंड ने चौथी बार वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। इससे पहले टीम 1966, 1990 और 2018 के एडीशन के टॉप-4 में शामिल रही थी।

एक वर्ष में 20वें स्थान से प्रथम स्थान तक पहुंचा वैशाली

डीएम के कुशल नेतृत्व में सात निश्चय योजनाओं के क्रियान्वयन में वैशाली बना राज्य का नंबर 1 जिला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी 'सात निश्चय' योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में वैशाली जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए राज्य के सभी 38 जिलों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। बिहार विकास मिशन द्वारा जारी मासिक प्रगति प्रतिवेदन के अनुसार अप्रैल 2025 में वैशाली जिला जहां राज्य में 20वें स्थान पर था, वहीं अप्रैल 2026 की रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले ने विकास एवं सुशासन का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह उपलब्धि जिला पदाधिकारी, वैशाली वर्षा सिंह (भा.प्र.से.) के कुशल नेतृत्व, सतत अनुश्रवण, प्रभावी निर्देशन एवं परिणामोन्मुखी प्रशासनिक कार्यांशेली का प्रतिफल है। जिला पदाधिकारी द्वारा योजनाओं की



नियमित समीक्षा, प्रखंड एवं पंचायत स्तर तक सतत मॉनिटरिंग तथा समर्थक बढ़ क्रियान्वयन सुनिश्चित किए जाने से सात निश्चय योजनाओं के बेहतर परिणाम प्राप्त हुए हैं। जिला पदाधिकारी द्वारा जिला, प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर नियमित रूप से आयोजित जनता दरबार के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं संवेदनशील

समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही सात निश्चय की प्रत्येक योजना की सूक्ष्म समीक्षा कर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाते हैं। किसी भी माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर तत्काल सज्जान लेकर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की गई है, जिससे आमजन का प्रशासन के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। 'स्वच्छ गाँव समृद्ध गाँव' एवं 'स्वच्छ शहर समृद्ध शहर' के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में जिले में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। 'हर घर नल का जल' योजना के प्रभावी संचालन के कारण इस वर्ष भीषण गर्मी के दौरान जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न नहीं होने दी गई। 'हर गाँव सोलर स्ट्रीट लाइट' योजना के अंतर्गत जिले में लगभग

94 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कार्य तेजी से जारी है। 'हर खेत तक सिंचाई का पानी' योजना के माध्यम से किसानों को सिंचाई की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे कृषि उत्पादन एवं किसानों की आय में वृद्धि हो रही है। वहीं 'सुलभ संपर्कता' योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में नई सड़कों एवं संपर्क मार्गों का निर्माण निरंतर जारी है, जिससे आवागमन और ग्रामीण विकास को नई गति मिली है। महिलाओं के सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्वरोजगार, उद्यमिता एवं उच्च शिक्षा के लिए विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। वहीं स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक किया गया है, जिससे आम

नागरिकों एवं पशुपालकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध हो रही हैं। युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र (डीआरसीसी), हाजीपुर द्वारा 'आर्थिक हल, युवाओं को बल' कार्यक्रम के अंतर्गत बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री स्वयं सहायता भत्ता योजना एवं कुशल युवा कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार पंचायत स्तर तक किया जा रहा है। इस उपलब्धि पर जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह ने कहा कि 'वैशाली का राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त करना जिला प्रशासन, विभिन्न विभागों, जनप्रतिनिधियों पंचायत प्रतिनिधियों तथा जिले की जागरूक जनता के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। हमारा उद्देश्य केवल रैंकिंग प्राप्त करना नहीं, बल्कि सरकार की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना का

लाभ प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक पारदर्शी, संवेदनशील एवं समयबद्ध तरीके से पहुँचाना है। आने वाले समय में भी वैशाली जिला सुशासन, विकास एवं जनसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करता रहेगा।' साथ ही जिला पदाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है और भविष्य में भी विकास के नए मानक स्थापित करने का प्रयास जारी रहेगा। योजनाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी अथवा सहायता के लिए विद्यार्थी एवं अभिभावक जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र (डीआरसीसी), हाजीपुर के दूरभाष संख्या 06224-260165 अथवा टोल-फ्री हेल्पलाइन 18003456444 पर संपर्क कर सकते हैं।

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सुविधाओं की कमी पर फॉरवर्ड ब्लॉक ने जताई नाराजगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक की एक टीम ने शनिवार को गिरिडीह सदर और गांडेय प्रखंड के विभिन्न आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का निरीक्षण कर वहां की स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सदर प्रखंड के खावा पंचायत तथा गांडेय प्रखंड के बुधुडीह स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर बंद पाए गए। टीम का नेतृत्व पार्टी नेता एवं पूर्व जिला परिषद सदस्य राजेश यादव ने किया। उनके साथ मेहताब अली मिर्जा, मनोज यादव, शंकर वर्मा और यमुना वर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे स्थानीय लोगों ने टीम को बताया कि खावा (नावाडीह) स्थित आरोग्य मंदिर सप्ताह में केवल एक दिन कुछ घंटों के लिए खुलता है, जबकि बुधुडीह में भी स्वास्थ्य केंद्र का संचालन माममात्र का होता है। ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारियों के निरीक्षण की सूचना मिलने पर ही केंद्र खोला जाता है।



राजेश यादव ने इस स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को नियमित रूप से संचालित किया जाना चाहिए तथा उन्हें पर्याप्त संसाधन, दवाएं और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि सभी आरोग्य मंदिरों को प्रभावी ढंग से संचालित कर आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही चेतावनी दी कि यदि व्यवस्था में जल्द सुधार नहीं हुआ तो फॉरवर्ड ब्लॉक जागरूकता अभियान चलाकर आंदोलन करेगा।

उसरी फॉल बचाने को ग्रामीणों का पैदल मार्च प्रतिस्पर्धा नहीं, पूरकता ही चिकित्सा का मूल सिद्धांत : डॉ. संजय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उसरी नदी एवं उसरी फॉल को बचाने की मांग को लेकर शनिवार को गंगापुर से चतरो मोड़ तक सैकड़ों ग्रामीणों ने पैदल मार्च निकाला। मार्च का नेतृत्व भाकपा माले, असंगठित मजदूर मोर्चा, झामस, अखिल भारतीय किसान महासभा तथा 'एक आवाज प्रदूषण के खिलाफ' और 'उसरी बचाव अभियान' से जुड़े कार्यकर्ताओं ने किया। पूरे मार्ग में उसरी नदी और उसरी फॉल को बचाने के समर्थन में नारे लगाए गए।

मार्च का नेतृत्व कर रहे माले नेता राजेश सिन्हा ने कहा कि उसरी नदी और उसरी फॉल के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक फैक्ट्री गंगापुर से चतरो तक पाइपलाइन बिछाकर नदी का पानी फैक्ट्री तक ले जाने की तैयारी कर रही है, जिसका ग्रामीण



लगातार विरोध करेगा। उन्होंने कहा कि 'उसरी फॉल को किसी भी कीमत पर बर्बाद नहीं होने देंगे और इसके लिए आर-पार की लड़ाई जारी रहेगी।' उन्होंने इस मामले को

उपायुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, वन विभाग, डीवीसी, सांसद और विधायक के समक्ष उठाने तथा जरूरत पड़ने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी असंगठित

मजदूर मोर्चा के वरिष्ठ नेता कन्हई पांडेय ने आरोप लगाया कि फैक्ट्री प्रबंधन ने गंगापुर के ग्रामीणों से विकास कार्यों के वादे किए थे, लेकिन अब तक उन्हें पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों पर दबाव बनाकर पाइपलाइन बिछाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसका गांव के लोग विरोध कर रहे हैं सामाजिक कार्यकर्ताओं शुभांकर कुमार और विजय विशाल ने कहा कि उनका संगठन भी इस परियोजना का शुरू से विरोध करता रहा है और आगे भी आंदोलन जारी रहेगा। वहीं महिला नेत्री पूजा मुर्मू समेत अन्य ग्रामीण नेताओं ने कहा कि यदि पाइपलाइन का कार्य नहीं रोका गया तो थाना और प्रशासनिक कार्यालयों के समक्ष आंदोलन किया जाएगा। मार्च में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष ग्रामीण शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान नारे भी लगाए गए।

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। संजय ऑर्थोपीडिक स्पाइन एवं मैटरनिटी सेंटर तथा सेवा सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में 'रोल ऑफ फिजियोथेरेपी इन फिजिकल हेल्थ' विषय पर आयोजित सेमिनार में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने फिजियोथेरेपी की बढ़ती भूमिका और विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के समन्वय पर जोर दिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पद्मश्री प्रो. डॉ. बी. के. एस. संजय ने कहा कि कोई भी चिकित्सा पद्धति दूसरी चिकित्सा पद्धति की प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सभी एक-दूसरे की पूरक हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों और फिजियोथेरेपिस्टों को सहयोग और समन्वय की भावना से कार्य करना चाहिए। एम्स गुवाहाटी के अध्यक्ष डॉ. ने संजय बौद्ध दर्शन का उल्लेख



करते हुए उन्होंने कहा कि जैसी सोच होती है, वैसा ही व्यक्तित्व बनता है। उन्होंने कहा कि रोगी के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए सभी चिकित्सा प्रणालियों का सम्मान करना चाहिए और किसी भी पद्धति के प्रति नकारात्मक धारणा नहीं बनानी चाहिए। ऑर्थोपीडिक सर्जन, उत्तराखंड ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. एस. एन. सिंह ने कहा

कि प्रत्येक फिजियोथेरेपिस्ट को यह जानकारी होनी चाहिए कि यहन परिस्थितियों में फिजियोथेरेपी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि चोट लगने के बाद पहले दिन से ही आवश्यकता के अनुसार फिजियोथेरेपी शुरू कर देनी चाहिए, जिससे मरीज को शीघ्र लाभ मिल सके। विशिष्ट वक्ता एवं स्पाइन सर्जन डॉ. गौरव संजय ने कहा कि फ्रैक्चर, नर्व इंजरी और

पैरालिसिस जैसे मामलों में शुरुआती फिजियोथेरेपी मरीज की रिकवरी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने बताया कि समय पर ऑपरेशन, सही पुनर्वास और नियमित फिजियोथेरेपी से मरीज की कार्यक्षमता काफी हद तक वापस लाई जा सकती है। उन्होंने मरीजों को उपचार और रिकवरी की संभावित अवधि के बारे में पहले से जानकारी देने की भी सलाह दी।

सेमिनार में बड़ी संख्या में फिजियोथेरेपी के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। आयोजकों ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे शैक्षणिक एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

अवैध खनन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

बेंगाबाद में पोकलेन मशीन जब्त, एफआईआर का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले में अवैध खनन, अवैध उखनन और खनिजों के अवैध परिवहन के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव ने शनिवार को बेंगाबाद प्रखंड के अरतोका क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अवैध खनन की पुष्टि होने पर एक पोकलेन मशीन जब्त करने तथा संबंधित लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले में किसी भी कीमत पर अवैध खनन,

अवैध उखनन और खनिजों के अवैध परिवहन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में सलिप्त लोगों के विरुद्ध खनन अधिनियम एवं अन्य संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए उपायुक्त ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अवैध खनन से सरकारी राजस्व की हानि के साथ-साथ पर्यावरण और स्थानीय पारिस्थितिकी को भी नुकसान पहुंचता है। इसलिए दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा उन्होंने जिला खनन पदाधिकारी, अंचल प्रशासन एवं

पुलिस प्रशासन को संयुक्त रूप से नियमित छापेमारी अभियान चलाने, संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने तथा अवैध खनन और खनिज परिवहन पर प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही जब्त मशीनों और वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए दोषियों पर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील है कि अवैध खनन से संबंधित किसी भी सूचना की जानकारी प्रशासन को दें, ताकि समय पर कार्रवाई कर प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। बिदुपुर थाना क्षेत्र के रजासो गांव में रविवार की सुबह रास्ते के विवाद हुई एक आर्मी के जवान और उसके पिता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। भूमि विवाद को लेकर हुए डबल मर्डर की घटना के बाद इलाके में सनसनी मच गई । इधर घटना की जानकारी मिलते ही सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार और बिदुपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंच जांच पड़ताल में जुड़ गई।

मृत आर्मी का जवान चार दिन पहले छुट्टी में आया था घर
मृतक के परिजनों ने बताया आर्मी जवान जितेंद्र कुमार दिल्ली में तैनात था और कुछ दिन पहले ही एक रिश्तेदार की बिजली लगने से



मौत हो जाने के बाद घर आया था। इसी बीच कल देर शाम विवादित जमीन से रास्ते को लेकर आरोपी जगदीश राय और आर्मी जवान के

साथ झगड़ा हुआ जिसे सूचना पर पहुंची पुलिस ने सुलझा दिया था लेकिन आज सुबह आरोपी जगदीश राय ने आर्मी जवान जितेंद्र कुमार

जिले भर में गणना प्रपत्रों के वितरण व डिजिटाइजेशन का निरीक्षण



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर 2026 अभियान के तहत रविवार को जिले के सभी प्रखंडों में गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य का व्यापक स्थलीय निरीक्षण किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देश पर विभिन्न वरीय अधिकारियों ने अपने अपने क्षेत्रों में पहुंचकर अभियान के प्रगति का जायजा लिया निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी, नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी अंचलाधिकारी समेत अन्य अधिकारियों ने डोर-टू-

डोर भ्रमण कर बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर्स से कार्यों की समीक्षा की और गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण व डिजिटाइजेशन की स्थिति का सत्यापन किया। अधिकारियों ने सभी बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर्स को निर्देश दिया कि गणना प्रपत्रों का शत-प्रतिशत वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य समय पर पूरा किया जाए। साथ ही ऑनलाइन अपलोड में शुद्धता, गुणवत्ता और समयबद्धता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अभियान में किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मी निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

समयागढ़ बाजार में जेवर दुकान में भीषण डकैती

हथियार के बल पर 15 लाख के गहने और 70 हजार नकद की लूट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मोकामा। समयागढ़ थाना क्षेत्र के समयागढ़ बाजार में रविवार शाम बढमाशों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। मौं अम्बे ज्वेलर्स में चार नकाबपोश लुटेरों ने पिस्तौल के बल पर भीषण लूटपाट की और फायरिंग कर फरार हो गए। दुकान में संचालक चंदन सोनार ने बताया कि

वह शाम को दुकान में मौजूद थे, तभी चार नकाबपोश अपराधी अंदर घुसे। हथियार दिखाकर बढमाशों ने पहले उनके साथ मारपीट की, फिर दुकान में रखे सभी सोने-चांदी के आभूषण लूट लिए। बढमाश गल्ले में रखे 70 हजार रुपये नकद भी उड़ा ले गए। जाते-जाते अपराधियों ने दहशत फैलाने के लिए एक राउंड

फायरिंग की और मौके से भाग निकले। चंदन सोनार के अनुसार, लूटे गए आभूषणों की कीमत लगभग 15 लाख रुपये है। घटना की सूचना मिलते ही समयागढ़ थानाध्यक्ष सोरभ कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस तुरंत अपराधियों के पीछे लग गई है और इलाके में नाकेबंदी कर

दी गई है। मामले की गहन छानबीन की जा रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।रविवार शाम बाजार में हुई इस वारदात से इलाके के दुकानदारों में दहशत का माहौल है। स्थानीय व्यापारियों ने पुलिस से गश्त बढ़ाने और जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

कराने का माध्यम : सांसद

उन्होंने संस्थान द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यहां से प्रशिक्षित विद्यार्थी अस्पतालों में मरीजों की बेहतर देखभाल कर समाज की सेवा करेंगे। उन्होंने संस्थान के निदेशक प्रमुख डॉ. यू.पी. गुप्ता एवं निदेशक रितेश गुप्ता को इस पहल के लिए बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान सिमुलतला सिविल सोसायटी के चेयरमेन मुकेश कुमार सिंह ने सांसद को सिमुलतला रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की मांग का ज्ञापन सौंपा। वहीं संस्थान की ओर से रेलवे फाटक संख्या 39ए-36 पर ओवरब्रिज निर्माण, आदिवासी आवासीय विद्यालय की स्थापना तथा सिमुलतला को प्रखंड एवं पर्यटन स्थल के रूप में विकसित

करने की मांग रखी गई। सांसद ने सभी मांगों पर सकारात्मक पहल का भरोसा दिया। एक सवाल के जवाब में सांसद ने कहा कि अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिमुलतला में चिकित्सकों की कमी का मुद्दा वह संबंधित स्तर पर उठाएंगे तथा क्षेत्र में 24 घंटे डॉक्टर और नर्स की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का प्रयास करेंगे।कार्यक्रम में संस्थान के कर्मी राम अजित यादव, पीयूष कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सांसद के साथ लोजपा (रामबिहारी) के नेता जीवन सिंह, चंदन सिंह, इंद्रदेव यादव, वैभव प्रजापति, प्रकाश पंडित, धीरेंद्र कुमार और दीपक सिंह भी मौजूद थे।

खिरियावां के वार्ड नं तीन में अधूरी पड़ी है नल-जल योजना

औरंगाबाद (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। मदनपुर प्रखंड के खिरियावां पंचायत के वार्ड नं तीन में पंचायत के ग्रामीण आज भी बुनियादी सुविधाओं से काफी दूर हैं। 50 घरों से 300 आबादी गांव में जीवन बस करता है। यहां के लोगों को मुख्य पेशा होती है। गांव के इक्का दुक्का युवा सरकारी सेवा में हैं। वहीं अधिकांश युवा अन्य प्रदेशों में मजदूरी करते हैं। वहीं बंटवाई पर खेती करना इनका मुख्य पेशा है मगर खेती करना भी आप इनका लाभ के बदले घाट का सौदा साबित हो रहा है। ग्रामीणों के सिंचाई की मुकम्मल व्यवस्था नहीं होने से उनकी खेती भी भगवान भरोसे होती है। वहीं गांव की सड़के आज भी बदतर है। गांव की गलियों पर नाली का गंदा पानी वर्षों भर बह रहा है जिसे देखने या इसका नितान करने वाला कोई नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

अनीता देवी एवं मंजू देवी बर्नी बीएलओ ऑफ द डे

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। एसआइआर-2026 अभियान के तहत शनिवार (11 जुलाई) को उत्कृष्ट कार्य करने वाले दो बीएलओ को बीएलओ ऑफ द डे के रूप में चिन्हित किया गया है। बेरमो विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-294 की बीएलओ अनीता देवी ने एक ही दिन में 650 गणना प्रपत्रों का वितरण कर सर्वाधिक प्रपत्र वितरित करने का उल्लेखनीय कार्य किया। उनके सुपरवाइजर बिनोद जायसवाल हैं। वहीं, गोमिया विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-275 की बीएलओ मंजू देवी ने एक ही दिन में 370 गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन कर सर्वाधिक डिजिटाइजेशन का रिकॉर्ड बनाया। उनके कार्य में सुपरवाइजर शमशाद अहमद ने सक्रिय सहयोग किया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने दोनों बीएलओ एवं उनके सुपरवाइजर की सराहना करते हुए कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मी पूरे जिले के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने सभी बीएलओ से गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य में पूरी प्रतिबद्धता के साथ जुटकर एसआईआर-2026 अभियान के लक्ष्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने का आह्वान किया।

पॉलिटैक्निक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा संपन्न

5,910 में से 5,464 परीक्षार्थी हुए शामिल - 446 रहे अनुपस्थित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले के कुल 10 परीक्षा केंद्रों पर रविवार को पॉलिटैक्निक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा कदाचारमुक्त, शांतिपूर्ण एवं सुखवस्थित वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। सभी केंद्रों पर सुरक्षा, विधि-व्यवस्था एवं परीक्षा संचालन की सतत निगरानी की गई। परीक्षा में कुल 5,910 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 5,464 परीक्षार्थी



परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 446 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्रशासन द्वारा सभी परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराया गया। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सघन जांच, सुरक्षा व्यवस्था तथा आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई थी, जिससे परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हो सकी।

सदर अस्पताल में 5.5 किलोग्राम वजनी

गर्भाशय फाइब्रॉइड का सफल ऑपरेशन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सदर अस्पताल, बोकारो के चिकित्सकों की एक जटिल शल्यक्रिया को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए 52 वर्षीय महिला के गर्भाशय से 5.5 किलोग्राम वजनी विशाल यूटराइन फाइब्रॉइड निकालकर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति पूरी तरह स्थिर एवं संतोषजनक है। भारा बस्ती, चास निवासी महिला लंबे समय से गर्भाशय में बड़े फाइब्रॉइड की समस्या से पीड़ित थीं। आवश्यक जांच एवं



चिािक रसाकी य मृत्युाान के बाद एंडाईमनाल हिस्टेरैक्टमी का निर्णय लिया गया। सदर अस्पताल की स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. रश्मि मेधा के नेतृत्व में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया। इस टीम में डॉ. पंकज सिन्हा एवं एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. सौरभ शर्मिष्ठा थे। डॉ. रश्मि मेधा ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान गर्भाशय से लगभग 5.5 किलोग्राम वजनी विशाल फाइब्रॉइड को सुरक्षित रूप से निकाला गया। पूरी शल्यक्रिया के दौरान किसी प्रकार की गंभीर जटिलता नहीं हुई। वर्तमान में मरीज को चिकित्सकीय निगरानी में रखकर आवश्यक दवाइयां एवं उपचार दिया जा रहा है। सिविल सर्जन ने इस सफलता पर चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की पूरी टीम को बधाई दी है।

आधार की फोटो कॉपी के चक्कर में छूटी

पॉलिटैक्निक प्रवेश परीक्षा, अभ्यर्थियों का हंगामा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। एसएसएलएनटी कॉलेज में रविवार को आयोजित पॉलिटैक्निक प्रवेश परीक्षा के दौरान उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब कई अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया गया। इससे नाराज छात्र-छात्राओं ने कॉलेज के मुख्य गेट पर प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों का आरोप है कि आधार कार्ड की फोटोकॉपी जमा करने के निर्देश के बाद वे अनुमति लेकर बाहर जेराईस कर रहे गए, लेकिन वापस लौटने पर उन्हें परीक्षा केंद्र में प्रवेश से रोक दिया गया। पॉलिटैक्निक प्रवेश परीक्षा के लिए



धनबाद के एसएसएलएनटी महिला महाविद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। अभ्यर्थियों का कहना है कि परीक्षा शुरू होने से पहले उन्हें आधार कार्ड की फोटो कॉपी जमा करने को कहा गया। परीक्षा नियंत्रक और कॉलेज प्रचार्य से अनुमति मिलने के बाद वे बाहर फोटोकॉपी कराने गए। उनका दावा है कि वे निर्धारित समय के भीतर लौट आए, लेकिन इसके बावजूद उन्हें परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया गया। प्रवेश से वंचित अभ्यर्थियों ने परीक्षा प्रबंधन पर लापरवाही और अनावश्यक सख्ती का आरोप लगाया। घटना के बाद काफी देर तक एसएसएलएनटी कॉलेज के मुख्य गेट पर हंगामे का माहौल बना रहा। हालांकि परीक्षा प्रबंधन की ओर से इस मामले में अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अब अभ्यर्थी इस मामले में न्याय और परीक्षा प्राधिकरण से उचित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

सांसद ढुलू महतो ने निरसा विधायक अरूण चटर्जी को 2 करोड़ की मानहानि का नोटिस भेजा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।

धनबाद लोकसभा क्षेत्र के सांसद ढुलू महतो ने निरसा विधायक अरूण चटर्जी को अपने अधिवक्ता के माध्यम से ₹2 करोड़ की मानहानि का कानूनी नोटिस भेजा है। सांसद एवं उनके परिवार की प्रतिष्ठा को कथित रूप से क्षति पहुंचाने वाले बयानों के संबंध में यह कार्रवाई की गई है। कानूनी नोटिस में कहा गया है कि विधायक अरूण चटर्जी द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता तथा उसके बाद विभिन्न प्रिंट मीडिया, डिजिटल मीडिया एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सांसद

ढुलू महतो एवं उनके परिवार के विरुद्ध गंभीर, झूठे, निराधार एवं मानहानिकारक आरोप लगाए गए। नोटिस के अनुसार इन आरोपों का व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ, जिससे सांसद की व्यक्तिगत, सामाजिक एवं सार्वजनिक प्रतिष्ठा को क्षति पहुंची है। आरोप सार्वजनिक मंच से बिना किसी विश्वसनीय साक्ष्य के लगाए गए हैं। इससे सांसद की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया है।नोटिस में यह भी उल्लेख है कि संबंधित बयानों का प्रसारण एवं प्रकाशन विभिन्न

समाचार पत्रों, डिजिटल प्लेटफॉर्म तथा सोशल मीडिया के जरिए व्यापक स्तर पर हुआ, जिससे सांसद एवं उनके परिवार को मानसिक पीड़ा, सामाजिक असहजता तथा प्रतिष्ठा की क्षति हुई है। विधायक अरूण चटर्जी से कानूनी नोटिस के माध्यम से निम्नलिखित मांगों की गई हैं। कहा गया है कि 7 दिनों के भीतर सांसद ढुलू महतो एवं उनके परिवार से बिना शर्त एवं स्पष्ट सार्वजनिक लिखित माफी मांगी जाए, प्रेस वार्ता एवं अन्य माध्यमों से दिए गए सभी कथित मानहानिकारक आरोपों एवं

बयानों को सार्वजनिक रूप से वापस लिया जाए,सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म एवं अन्य माध्यमों पर उपलब्ध कथित मानहानिकारक वीडियो, पोस्ट, रिकॉर्डिंग एवं अन्य सामग्री को तत्काल हटाया जाए, भविष्य में सांसद एवं उनके परिवार के विरुद्ध किसी भी प्रकार के झूठे, भ्रामक अथवा मानहानिकारक बयान देने से परहेज किया जाए,सांसद को प्रतिष्ठा को हुई कथित क्षति, मानसिक पीड़ा एवं सामाजिक अपमान के लिए ₹2 करोड़ की क्षतिपूर्ति अदा की जाए, नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि यदि

निर्धारित अवधि के भीतर इन मांगों का पालन नहीं किया जाता है, तो सांसद की ओर से सक्षम न्यायालय में दीवानी एवं आपराधिक कानूनी कार्रवाई सहित उपलब्ध सभी वैधानिक उपाय अपनाए जाएंगे।

सांसद ढुलू महतो का बयान

मामले को लेकर सांसद ढुलू महतो ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक व्यक्ति को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध बिना तथ्य एवं प्रमाण के झूठे और मानहानिकारक आरोप लगाना

स्वीकार्य नहीं है। सार्वजनिक जीवन में शालीनता, तथ्यपरकता और जवाबदेही का पालन होना आवश्यक है।उन्होंने कहा कि यह कदम व्यक्तिगत कारणों से नहीं, बल्कि सत्य, सम्मान एवं कानून के शासन की रक्षा के उद्देश्य से उठाया गया है। हूजनप्रतिनिधि होने के नाते मैं लोकतांत्रिक मर्यादाओं में विश्वास रखता हूं और भविष्य में भी यदि कोई व्यक्ति निरधार एवं असत्य आरोप लगाकर मेरी छवि भूमिल करने का प्रयास करेगा तो उसके विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

टांगटोना पंचायत में किशोरियों एवं युवा महिलाओं के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण आयोजित

कसमार (बोकारो)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।

सहयोगिनी संस्था द्वारा कसमार के टांगटोना पंचायत भवन में किशोरियों एवं युवा महिलाओं के लिए जीवन कौशल (लाइफ स्किल) प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य किशोरियों एवं युवा महिलाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, प्रभावी संवाद, निर्णय लेने की क्षमता, समस्या समाधान, भावनात्मक संतुलन तथा सामाजिक जिम्मेदारियों के



प्रति जागरूकता विकसित करना था, ताकि वे अपने जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय स्वयं लेने में सक्षम बन सकें। इस दौरान प्रशिक्षक मनोहर कुमार महतो ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के साथ-साथ जीवन कौशल का ज्ञान भी अत्यंत आवश्यक है। केवल डिग्री प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि आज के युवाओं को डिजिटल साक्षरता, आलोचनात्मक चिंतन (क्रिटिकल थिंकिंग), प्रभावी संवाद (कम्युनिकेशन) तथा समस्या समाधान जैसे जीवन कौशल से भी लेस होना होगा, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों एवं रोजगार के अवसरों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण में नियमित रूप से भाग लेने तथा सीखी गई बातों को अपने परिवार और समुदाय तक पहुंचाने का आग्रह किया। प्रशिक्षण के दौरान रोल प्ले, समूह चर्चा, प्रश्नोत्तर, अनुभव साझा करने तथा अन्य सहभागितापूर्ण गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों को व्यावहारिक रूप से सीखने का अवसर प्रदान किया गया। इस दौरान आत्मसम्मान, लक्ष्य निर्धारण, समय प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तिगत स्वच्छता, लैंगिक समानता, बाल विवाह

की रोकथाम, प्रभावी संवाद, नेतृत्व क्षमता तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी पर विस्तार से चर्चा की गई। संस्था के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने जीवन कौशल के दस प्रमुख आयाम आत्म-जागरूकता, सहानुभूति, प्रभावी संवाद, पारस्परिक संबंध, रचनात्मक एवं आलोचनात्मक चिंतन, निर्णय लेने की क्षमता, समस्या समाधान, भावनाओं का प्रबंधन तथा तनाव प्रबंधन—पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जीवन कौशल शिक्षा केवल व्यक्तिगत विकास का माध्यम नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार, आत्मनिर्भर एवं जागरूक नागरिक बनने की आधारशिला है। उन्होंने किशोरियों से बाल विवाह, लैंगिक भेदभावा एवं अन्य सामाजिक कुुर्रितियों के विरुद्ध जागरूक रहने, शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा जीवन का स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि सहयोगिनी संस्था कसमार प्रखंड के दुर्गापुर, बागदा, टांगटोना एवं खैराचारत पंचायत के 19 गांवों में किशोरियों एवं महिलाओं के नेतृत्व क्षमता विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, जीवन कौशल, सरकारी योजनाओं से जोड़ने तथा सामाजिक सशक्तिकरण के

क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। संस्था का उद्देश्य प्रत्येक किशोरी एवं महिला को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाकर आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। सहयोगिनी संस्था की एनिमेटर रेखा देवी ने कहा कि संस्था का प्रयास प्रत्येक किशोरी एवं युवा महिला को नेतृत्व क्षमता से सशक्त बनाना तथा उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़कर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि जागरूक एवं आत्मविश्वासी किशोरियां ही सशक्त परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी किशोरियों एवं युवा महिलाओं ने शिक्षा जारी रखने, अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने, सामाजिक कुुर्रितियों का विरोध करने तथा अपने गांव की अन्य किशोरियों को भी जागरूक एवं सशक्त बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सहयोगिनी संस्था की एनिमेटर रेखा देवी, ममता कुमारी, संजना कुमारी, बिंदु कुमारी, आरती कुमारी, सुरभि कुमारी, षष्ठी कुमारी, पूजा कुमारी, परी कुमारी, मधु कुमारी एवं सुनीता देवी सहित बड़ी संख्या में किशोरियां, युवा महिलाएं एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। संस्था का उद्देश्य प्रत्येक किशोरी एवं महिला को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाकर आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। सहयोगिनी संस्था की एनिमेटर रेखा देवी ने कहा कि संस्था का प्रयास प्रत्येक किशोरी एवं युवा महिला को नेतृत्व क्षमता से सशक्त बनाना तथा उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़कर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि जागरूक एवं आत्मविश्वासी किशोरियां ही सशक्त परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी किशोरियों एवं युवा महिलाओं ने शिक्षा जारी रखने, अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने, सामाजिक कुुर्रितियों का विरोध करने तथा अपने गांव की अन्य किशोरियों को भी जागरूक एवं सशक्त बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सहयोगिनी संस्था की एनिमेटर रेखा देवी, ममता कुमारी, संजना कुमारी, बिंदु कुमारी, आरती कुमारी, सुरभि कुमारी, षष्ठी कुमारी, पूजा कुमारी, परी कुमारी, मधु कुमारी एवं सुनीता देवी सहित बड़ी संख्या में किशोरियां, युवा महिलाएं एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।

राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन इंटक के महामंत्री ए.के. झा ने कहा कि देश का कोल कैपिटल कहलाने वाली भारत कोकिंग कोल लिमिटेड बीसीसीएल आज सबसे बड़े संकट से गुजर रही है। उन्होंने केंद्र सरकार की नीतियों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। श्री झा ने कहा कि इंदिरा गांधी द्वाा वर्ष 1971 और 1973 में देश के कोकिंग एवं नॉन कोकिंग कोल खदानों का राष्ट्रीयकरण किया

संपत्ति माईस और मिनरल्स की मालिक भारत सरकार है। पिछले 12 वर्षों से सत्तासीन भाजपा सरकार जानती है कि झारखंड और धनबाद की लाइफ लाइन बी सी सी एल है। लेकिन पूंजीवादी सोच के कारण आउटसोर्सिंग और ठेकेदारी को बढ़ावा दिया गया। अवैध खनन और कोयला चोरी अब असाध्य रोग बन चुका है। सरकार को उद्योग और मजदूर हित में ठोस कदम उठाने चाहिए - श्री झा ने कहा कि कोयला

केंद्र सरकार की नीतियां जिम्मेदार

उद्योग को 4 लेबर कोड से बाहर रखा जाए, एमडीओ नीति पर पुनर्विचार हो ,सभी रिक्त पदों पर बहाली हो ,12वें वेज बोर्ड का शीघ्र गठन हो । उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो मजदूरों को 15000 रुपये में 12 घंटे काम करने को विवश किया जाएगा। श्री झा ने बीसीसीएल के सीएमडी और निदेशक मंडल,कोयला नीती तथा सीआरएसएफ के महानिदेशक के सहयोग की सराहना की। साथ ही धनबाद के सांसदों से अपील की कि वे संसद में कोयला उद्योग को समस्याएं मजबूती से उठाएं। अंत में उन्होंने कहा कि बीसीसीएल और सीआइएल के मजदूर इंटक, राहुल गांधी और कुमार जय मंगल सिंह के नेतृत्व में आँतिम सांस तक लड़ेंगे।

एसआइआर-2026 : बीएलओ सीता देवी दिनदहाड़े 3.20 लाख की चोरी नाकाम, का उत्कृष्ट प्रदर्शन, किया गया सम्मानित ग्रामीणों ने तीन अपराधियों को दबोचा



बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) अभियान के तहत 35-बरमो विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या-338 की बीएलओ सीता देवी ने उत्कृष्ट कार्य करते हुए अपने मतदान केंद्र के सभी 1410 मतदाताओं के बीच गणना प्रपत्रों का शत प्रतिशत वितरण सुनिश्चित किया। साथ ही, उन्होंने गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का आंकड़ा 1000 के पार पहुंचाकर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। बीएलओ सीता देवी के

इस सराहनीय प्रदर्शन पर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) मनोज कुमार ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके समर्पण एवं कार्यानिष्ठ की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि एसआईआर-2026 अभियान की सफलता में बीएलओ की सक्रिय भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और अन्य बीएलओ भी इस उत्कृष्ट कार्य से प्रेरणा



धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।

तोपचांची थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर दिनदहाड़े तीन लाख बीस हजार रुपये की चोरी की वारदात को ग्रामीणों की सवकता ने नाकाम कर दिया। स्कॉपियों सवार चार अपराधी पिकअप चालक से रुपये चुराकर भाग रहे थे, लेकिन ग्रामीणों ने पीछा कर तीन आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस में एसआईआर-2026 अभियान के तहत जिले में प्रतिदिन उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि अभियान को और अधिक गति मिल सके।

जैसे ही चालक तोपचांची के साहूबहियार स्थित एक होटल के पास रुका, अपराधियों ने सुनियोजित तरीके से मोटरसाइकिल की पुरानी चाबी की मदद से पिकअप का दरवाजा खोला और उसमें रखे तीन लाख बीस हजार रुपये लेकर फरार हो गए। चालक ने तुरंत शोर मचाया, जिसके बाद स्थानीय ग्रामीण सक्रिय हो गए। ग्रामीणों ने स्कॉपियों का पीछा कर लेदाटांडु के पास वाहन को घेर लिया। इस दौरान तीन आरोपियों को मौके पर पकड़ लिया गया, जबकि एक आरोपी भागने में सफल रहा। सूचना मिलने पर तोपचांची थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और

आरोपियों को हिरासत में ले लिया। रविवार को बाघमारा एसडीपीओ अजीत कुमार बिस्मिल ने इस संबंध में एक प्रेस वार्ता कर बताया कि पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की गई तीन लाख बीस हजार रुपये की पूरी राशि, घटना में प्रयुक्त स्कॉपियों, चार मोबाइल फोन और पिकअप का लॉक खोलने में इस्तेमाल किया गया पुरानी चाबी का गुच्छ बरामद किया है। इस मामले में तोपचांची थाना कांड संख्या 72/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

डालसा के मेगा लीगल इंपावरमेंट कैंप में सैकड़ों लोग लाभान्वित

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा), धनबाद द्वारा रविवार को बीसीसीएल के अनुपूर्णा भवन में आयोजित मेगा लीगल इंपावरमेंट कैंप जनसेवा, और न्याय का सशक्त संगम बन गया। "अधिकार आपका प्रयास हमारा" अभियान के तहत एक ही मंच से करोड़ों रुपये मूल्य की परिसंपत्तियों का वितरण हुआ। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के चर्यनित लाभुकों के बीच करोड़ों रुपये मूल्य की परिसंपत्तियों का वितरण किया। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे। इन स्टॉलों में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ पात्र लाभुकों को मौके पर ही आवश्यक परामर्श और सहायता भी उपलब्ध कराई गई। अपने उद्बोधन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समाज के गरीब, वंचित और जरूरतमंद लोगों को सुलभ, त्वरित एवं निःशुल्क न्याय उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने



कहा कि न्याय तभी सार्थक होगा, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसी उद्देश्य से डालसा और लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम की समर्पित टीम लगातार कानूनी सहायता, विधिक जागरूकता और सरकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। बीसीसीएल के सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि बीसीसीएल सामाजिक उत्तरदायित्व

के निर्वहन के तहत समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और जिला प्रशासन के साथ आगेजित यह मेगा लीगल इंपावरमेंट कैप सामाजिक सरोकार और जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है तथा भविष्य में भी बीसीसीएल ऐसे प्रयासों में अपना पूरा सहयोग देता रहेगा। सिटी एसपी श्रुतिक श्रीवास्तव ने कहा कि जिला प्रशासन और डालसा का साझा

उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि ऐसे मेगा शिविर शासन और जनता के बीच विश्वास का मजबूत माध्यम बन रहे हैं तथा प्रशासन आगे भी इसी प्रकार के जनहितकारी प्रयास जारी रखेगा। बार एसोसिएशन के महासचिव जितेन्द्र कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित यह मेगा लीगल इंपावरमेंट कैप न्याय आयोजन के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में एक सराहनीय और अनुकरणीय पहल है। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न विभागों द्वारा चर्यनित लाभुकों को परिसंपत्तियों एवं सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला देवी एवं उनके समूह को 3 करोड़ 76 लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया। पप्पू पासवान को भूमि अधिग्रहण मुआवजे के एवज में 29 लाख रुपए का मुआवजे का चेक दिया गया। रिया कुमारी, सरिता कुमारी, अंजली कुमारी को नियुक्ति पत्र दिया गया। जबकि शशिषों के झुंड द्वारा घर तोड़ दिए जाने से परेशान रविवाल मुमुं को मुआवजे की राशि प्रदान की गई। वहीं दर्जनों लोगों को नियुक्ति पत्र व स्वीकृति पत्र भी प्रदान किया गया।

विकास के लिए एक मंच पर

आएंगे सभी दल, रंधीर वर्मा चौक पर होगा महाधरना

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद के विकास को लेकर 22 जुलाई को शहर में एक अनोखी तस्वीर देखने को मिलेगी। पहली बार विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता पार्टी के झंडे नहीं, बल्कि राष्ट्रीय ध्वज के साथ एक मंच पर जुटेंगे। रंधीर वर्मा चौक पर प्रस्तावित एक दिवसीय धरना के जरिए धनबाद के सर्वांगीण विकास की मांग उठाई जाएगी। इस आयोजन की जानकारी रविवार को निरसा विधायक अरूण चटर्जी ने सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता में दी। निरसा विधायक अरूण चटर्जी ने बताया कि धनबाद प्राकृतिक संसाधनों और राजस्व के मामले में समृद्ध इलाहा है, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण अंधेधित विकास नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि शहर आज भी कई बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है। इन्हीं मुद्दों को लेकर 22 जुलाई को सभी दलों के जनप्रतिनिधि और नेता एक मंच पर आकर केंद्र और राज्य सरकार का ध्याा धनबाद के विकास की ओर आकर्षित करेंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.जी. कॉर्पो. लि. के लिए भास्कर प्रिटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉर्पोरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल फोन नंबर- 9431145865 8210783623 आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655 E-mail- nbtimesbihar@gmail.com